RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:72 ता. 12 सितम्बर 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कांग्रेस जोड़ो यात्रा में हिस्सा लेने वालों के लिए तय किए सख्त नियम

-यात्रा के दौरान नॉनवेज, शराब और स्मोकिंग पर लगाया प्रतिबंध

कन्याकुमारी । (एजेंसी)

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' केरल में प्रवेश कर चुकी है। 150 दिन की इस यात्रा में अनुशासन बनाए रखने के लिए बाकायदा यात्रियों के लिए 'क्या करें' और 'क्या ना करें' की हिदायतें और निर्देश जारी किए गए हैं। यात्रा की संयोजन समिति का मानना है कि गरिमा माहौल बनाए रखने के लिए अनुशासन का होना जरूरी है। इसे लेकर यात्रा से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया। यात्रा में हिस्सा लेने वालों के लिए कुछ नियम तैयार किए गए हैं, जिनका सख्ती से पालन करना सभी के लिए जरूरी है। तय किया गया है कि यात्रा के दौरान सिर्फ शाकाहारी भोजन ही मिलेगा। इस दौरान शराब और स्मोकिंग जैसी चीजों से यात्रियों को दूर रहना होगा। उन्हें सादगीपूर्ण तरीके से ही रहना होगा। यात्रियों से कहा गया है कि इस दौरान वे खाने, बिस्तर की सुविधाओं सहित किसी भी चीज को लेकर कोई शिकायत और असंतोष जाहिर नहीं करेंगे। यात्रा में सफेद कपड़े ही पहनेंगे। हालांकि, कपड़ों का नियम भारत यात्रियों के साथ-साथ प्रदेश यात्रियों और अतिथि यात्रियों पर लागू होगा। यह वॉलंटियर्स यात्री पर लागू नहीं होगा। यात्रियों से अपेक्षा है कि वे यात्रा के दौरान किसी लग्जरी, सुख-सुविधाओं और विशेष आवभगत की अपेक्षा न करें। उनसे कहा गया है कि यात्रा के दौरान जो भी मिले, उससे विनम्रता, प्रेम और धैर्य से मिलना है। उनकी बात सुननी है। फीडबैक लेते समय इन चीजों का खास ख्याल रखना है। पार्टी की ओर से इन नियम कायदों की फेहरिस्त इसलिए तैयार की गई है, ताकि अनुशासन बनाए रखने के साथ-साथ यात्रा को नकारात्मक पब्लिसिटी नहीं मिले।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का पड़ाव केरल पहुंचा, प्रियंका गांधी बोली- विभाजनकारी राजनीति खत्म हो

नई दिल्ली । कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा धीरे-धीरे अपने उरोज पर पहुंच रही और उसे जनता की भी तब्बजों मिल रही है। यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर अब केरल पहुंच गई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने यात्रा के केरल पहुंचने पर कहा कि, देश की जनता का संदेश साफ है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी और विभाजनकारी राजनीति खत्म हो। भारत जोड़ो यात्रा में प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी, वह 19 से 22 सितंबर के बीच, केरल में इस यात्रा का हिस्सा बनेंगी। प्रियंका गांधी ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा तमिलनाडु से केरल में प्रवेश कर गई। समाज का हर वर्ग इस पदयात्रा को लेकर उत्साहित है। किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं, बच्चे, बूढ़े सबकी भागीदारी और जोश देखने लायक है। देश की जनता का संदेश साफ है - महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी और विभाजनकारी राजनीति खत्म हो।पदयात्रा रविवार को केरल पहुंची है और अगले 18 दिनों तक राज्य से होते हुए 30 सितंबर को कर्नाटक पहुंचेगी, और उसके बाद उत्तर की तरफ अन्य राज्यों में जाएगी।

आकाश बायजू के छात्र मानव पटेल ने जेईई एडवांस 2022 में AIR 465 स्कोर किया

वापी।

गुजरात राज्य के वापी जिले के आकाश BYJU'S के छात्र मानव पटेल ने जेईई-एडवांस्ड 2022 परिणाम में एआईआर 465 हासिल कर संस्थान को गौरवान्वित किया है, जिसमें राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने आज परिणाम घोषित किया।

इस बारे में बात करते हुए छात्र मानव पटेल ने कहा, मैं आकाश बायजू का शुक्रगुजार हूं कि इस संस्थान ने मुझे आगे आने में काफी मदद की. कोचिंग के दौरान मुझे जो मार्गदर्शन मिला, उससे मुझे यह परिणाम हासिल करने में मदद मिली।

आकाश BYJU'S के प्रबंध निदेशक मानव श्री आकाश चौधरी ने बधाई देते हुए कहा, हम मानव को इस शानदार उपलब्धि के लिए संगठन की ओर से बधाई देते हैं। देश भर से जेईई एडवांस - 2022 के लिए कुल 155,538 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 40,712 छात्रों ने क्वालिफाई किया। मानव को यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अपने माता-पिता के समर्थन के कारण मिली है। हम मानव को भी उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कोरोना महामारी के दौरान आकाश BYJU'S ने जेईई में छात्रों को टॉप पर्सेंटाइल स्कोरर बनाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कीं। हमने न केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग करके छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया, बल्कि हमने अध्ययन सामग्री और प्रश्न बैंकों को भी ऑनलाइन उपलब्ध कराया। परीक्षा की तैयारी के लिए वर्चुअल सेमिनार का भी आयोजन किया। आज इस परिणाम को देखकर हमें खुशी है कि हमारे सभी प्रयास सफल रहे हैं। अब कई छात्र उच्च अध्ययन करने के लिए शीर्ष IIT या NIT या केंद्र सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश पाने की इच्छा रखते हैं।

भारत जोड़ो यात्रा : राहुल गांधी के सामने महिलाओं ने रखा शादी का प्रस्ताव

(एजेंसी)

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का आज पांचवा दिन है, आपको बता दे यह यात्रा 150 दिन में पूरी होगी। देश में बढ़ रही कीमतों और बेरोजगारी को लेकर यह पदायात्रा निकाली जा रही है। वहीं, इस यात्रा से जुडा एक मनोरंजक घटनाक्रम कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने साझा किया है। दरअसल, जब राहुल गांधी तमिलनाडु में महिलाओं के एक समूह से बातचीत कर रहे थे, उस दौरान एक महिला ने कहा कि राहुल गांधी तमिलनाडु से प्यार करते हैं, इसलिए वे उसकी शादी एक तमिल लड़की से कराने के लिए तैयार हैं। जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''राहुल गांधी आज दोपहर में महिला मनरेगा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत कर रहे थे। एक महिला ने कहा कि वे जानती हैं कि राहुल तमिलनाडु से प्यार करते हैं और वे उसकी शादी एक तमिल लड़की से करने के लिए तैयार हैं।''

आपको बता दें कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी, और पांच महीने की अवधि में कन्याकुमारी से जम्मू और कश्मीर तक 3,750 किमी की दूरी तय करेगी, साथ ही 22 बड़े शहरों में मेगा रैलियां होंगी। वहीं, इस यात्रा का केरल में 19 दिन का सफर राजधानी तिरुवनंतपुरम के पारस्साला इलाके से रविवार सुबह शुरू हो गया है, तीन घंटे की यात्रा का पहला चरण यहां नेय्यत्तिनकारा में पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे समाप्त हुआ और तीन घंटे का दूसरा चरण शाम चार बजे शुरू होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में विस चुनाव को लेकर भाजपा की कवायद, मुकाबले में टीआरएस भी कम

हैदराबाद ।(एजेंसी)

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में अभी एक साल का लंबा वक्त है पर सियासी गलियारों में गहमागहमी तेज हो गई है।यहां तीनों प्रमुख राजनीतिक दल एक-दूसरे को पछाड़ने और लोगों तक पहुंचने के लिए हर मौके का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की जनसभा हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार की पदयात्रा हो, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं का लगातार दौरा हो और कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग अभियान हों, सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय हैं।हालांकि तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने 2023 के अंत में होने वाले चुनावों को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है, लेकिन इसने भारत के सबसे युवा राज्य में सत्ता में तीसरी बार जीत हासिल करने की लड़ाई की तैयारी शुरू कर दी है। राजनीतिक पर्यवेक्षक प्रोफेसर के नागेश्वर का मानना है कि दो विधानसभा उपचुनावों (2020 में दुबक और 2021 में हुजुराबाद) में भाजपा की जीत और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में उसके अच्छे प्रदर्शन के बाद टीआरएस दबाव में है। उन्होंने कहा, टीआरएस दबाव में है लेकिन यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि अगला चुनाव कौन जीतेगा।पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर नागेश्वर ने कहा कि, दुबक और हुजुराबाद में भाजपा की जीत और जीएचएमसी चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद, जाहिर तौर पर टीआरएस दबाव में है। क्योंकि कांग्रेस कमजोर हो रही थी, टीआरएस ने सोचा कि उसका कोई विरोध नहीं होगा। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें भाजपा के रूप में एक नया और एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी मिला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को न केवल अच्छे चुनावी परिणाम मिले हैं बल्कि वह कांग्रेस के विपरीत केंद्र में सत्ता में है। उन्होंने कहा, उनके पास सभी संसाधन हैं। केंद्रीय नेतृत्व पूरी तरह से कांग्रेस के विपरीत राज्य नेतृत्व का समर्थन कर रहा है।

नागेश्वर राव का मानना है कि जब भी चुनाव होंगे तो त्रिकोणीय मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, जाहिर है, यह एक त्रिकोणीय मुकाबला होगा, इस तथ्य को देखते हुए कि कांग्रेस अभी भी है और भाजपा में सुधार हो रहा है। खुद को टीआरएस के एकमात्र व्यवहार्य विकल्प के रूप में पेश करते हुए और दो विधानसभा उपचुनावों में जीत से उत्साहित, भाजपा अपने मिशन 2023 की ओर आक्रामक रूप से जोर दे रही है।

हाई कोर्ट ने दो दिव्यांग बच्चों की मदद नहीं करने पर दिल्ली सरकार को लगाई लताड़

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिव्यांगता कानून के अंतर्गत दो दिव्यांग बच्चों की मदद नहीं करने पर दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। न्यायमूर्ति गौरांग कांत ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दो साल पहले आश्वासन दिया था कि सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। अदालत ने कहा कि इसके बावजूद बच्चों की सहायता नहीं की गई और न ही उनके मामले पर सकारात्मक रुख अपनाया गया। अदालत ने आठ सितंबर को जारी अपने आदेश में कहा, 'दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त निदेशक (सीपीयू) द्वारा दायर हलफनामे से पता चलता है कि दिल्ली राज्य में बच्चों की हालत दुर्भाग्यपूर्ण है। याचिकाकर्ता संख्या एक और दो को सहायता उपलब्ध कराने के बाबत अदालत की चिंता को दूर करने के लिए हलफनामा दायर किया गया।' इसने कहा, 'एक तरफ प्रतिवादी संख्या पांच (दिल्ली सरकार) अदालत को आश्वासन दे रहा है कि दिल्ली राज्य में बच्चों के हित के लिए यथासंभव कदम उठाए जाएंगे लेकिन ढाई साल के बाद भी दिल्ली सरकार एक 'राज्य' के तौर पर अपने दायित्व निर्वहन में विफल रही है।' न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि राज्य सरकार का आचरण अवमानना करने जैसा है और वह अवमानना नोटिस जारी कर सकते हैं लेकिन इसकी बजाय उचित कार्रवाई करने का मौका दिया जाता है।

गुलाम नबी 10 दिनों में नई पार्टी के नाम की करेंगे घोषणा, बारामुला रैली में दिया संकेत

जम्मू । (एजेंसी)

कांग्रेस से आजाद हो चुके दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद अपनी नई पार्टी का ऐलान जल्द करेंगे। नई पार्टी को लेकर आज गुलाम नबी आजाद ने साफ तौर पर कह दिया है कि अगले 10 दिनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गुलाम नबी आजाद आज बारामुला में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी नई पार्टी की घोषणा की है। दरअसल, कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद गुलाम नबी आजाद ने जम्मू में बड़ी रैली को संबोधित किया था। उसके बाद वह लगातार जम्मू कश्मीर के अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। गुलाम नबी आजाद अपने समर्थकों से मिल रहे हैं। उनसे चर्चा कर रहे हैं और आगे की रणनीति तैयार की जा रही है। गुलाम नबी आजाद के समर्थन में जम्मू कश्मीर कांग्रेस के कई दिग्गज नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह सभी गुलाम नबी आजाद के साथ खड़े हैं। कांग्रेस से अलग होने के बाद गुलाम नबी आजाद ने साफ तौर पर कह दिया था कि वह किसी पार्टी में शामिल नहीं होने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वह बीजेपी से किसी भी कीमत में गठबंधन नहीं करेंगे। 10 दिनों में नई पार्टी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस छोड़ने के बाद गुलाम नबी आजाद लगातार गांधी परिवार के खिलाफ हमलावर हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मैं उन लोगों की तरह नहीं हूं, जिनका रिमोट कंट्रोल कहीं और है। मेरा रिमोट कंट्रोल मेरे पास है। मैं आजाद हूं। वह गुलाम हैं। मैं नबी का गुलाम हूं। वह किसी और के गुलाम हैं। मैं यह नहीं बताना चाहता कि कांग्रेस और अन्य पार्टियों के नेता किसके नियंत्रण में हैं। गुलाम नबी आजाद ने बिना नाम लिए कांग्रेस के उन नेताओं पर हमले किए हैं जो उनके पार्टी छोड़ने के बाद उन पर हमलावर हैं। गुलाम नबी आजाद लगातार कश्मीर घाटी में यह बात कहते नजर आ रहे हैं कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों के वास्ते संघर्ष जारी रखेंगे। कांग्रेस से पांच दशक का नाता समाप्त करने के बाद जम्मू कश्मीर में लगातार गुलाम नबी आजाद अपनी पकड़ को मजबूत करने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने साफ तौर पर लोगों से कहा कि हमें एक दूसरे से सहयोग की जरूरत है। हमें एकजुट होकर नफरत की दीवार गिरानी है तथा साथ मिलकर विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर बढ़ना है। कांग्रेस छोड़ने के बाद ही इस बात के संकेत मिल रहे थे कि गुलाम नबी आजाद अपनी राजनीतिक पार्टी बनाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कारोबारी के घर 5 बक्सों में मिले 17 करोड़ नगदी की गिनती के लिए ईडी ने में 8 मशीनें लगाई

कोलकाता । कोलकाता में एक कारोबारी के घर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने शनिवार को भारी मात्रा में जब्त नकदी गिनने के लिए 18 काउंटिंग मशीन लगाई गई और इस काम को करने में 16 घंटे का समय लगा। इस दौरान ईडी ने आमिर खान के गार्डन रीच आवास से 17 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बरामद की। केंद्रीय जांच एजेंसी को मौके पर 10 ट्रंक भी मिले। हालांकि, कैश सिर्फ पांच ट्रंकों ही मिले। जांच एजेंसी ने शनिवार सुबह तलाशी शुरू की और नकदी की गिनती देर रात तक चलती रही। ईडी की तलाशी टीम के साथ बैंक अधिकारी और केंद्रीय बल भी थे। सूत्रों ने कहा कि 500 रुपये के नोट सबसे अधिक थे। छापे के दौरान 2,000 रुपये और 200 रुपये के नोट भी भी बरामद हुए। आपको बता दें कि छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत की गई थी। फेडरल बैंक के अधिकारियों द्वारा मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर एक शिकायत के आधार पर आमिर खान और अन्य के खिलाफ पिछले साल 15 फरवरी को कोलकाता के पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज किया गया था। ईडी ने कहा कि आमिर खान ने ई-नगेट्स नाम से एक मोबाइल गेमिंग एप्लिकेशन लॉन्च किया, जिसे जनता को धोखा देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था। इस ऐप के जरिए पहले यूजर्स को कमीशन के साथ पुरस्कृत भी किया गया था। यूजर वॉलेट की राशि को आसानी से निकाल सकते थे। इससे ऐप की विश्वसनीयता बढ़ी। लोगों ने अधिक कमीशन की लालच में बड़ी मात्रा में निवेश करना शुरू कर दिया। जनता से अच्छी खासी रकम इकट्ठा करने के बाद अचानक ऐप से निकासी को रोक दिया गया। सिस्टम अपग्रेडेशन का बहाना दिया गया। बाद में प्रोफ़ाइल जानकारी सहित सभी डेटा को ऐप सर्वर से मिटा दिया गया। इसके बाद लोग खुद को ठगा महसूस करने लगे।

कर्नाटक पुलिस ने मंत्री डेवलपर्स के एमडी और उनके बेटे को किया गिरफ्तार

बेंगलुरू । बेंगलुरू में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने ग्राहकों से करोड़ों रुपए ठगने के आरोप में मंत्री डेवलपर्स समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुशील मंत्री और उनके बेटे प्रतीक मंत्री को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सीआईडी सूत्रों ने कहा कि वे आगे की जांच के लिए आरोपियों की हिरासत की मांग के लिए सोमवार को अदालत में याचिका दायर करेंगे। सीआईडी के अतिरिक्त डीजीपी उमेश कुमार ने कहा कि धोखाधड़ी के मामले में व्यापक जांच की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने बेंगलुरु में ग्राहकों से सस्ते दरों पर फ्लैट बनाने का वादा करते हुए 75 लाख रुपये से 2 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। लेकिन अपना वादा नहीं निभाया। ग्राहकों ने 2019 में बेंगलुरु में मंत्री डेवलपर्स के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन, सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन और यशवंतपुर पुलिस थाने में 12 शिकायतें दर्ज कराईं। राज्य सरकार ने सीआईडी से मामले की जांच के आदेश दिए थे। अधिकारियों ने जमीन के दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने हाल ही में आरोपी सुशील मंत्री को गिरफ्तार किया था। उसे जल्द ही जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया। उल्लेखनीय है कि मंत्री डेवलपर्स एक रियल एस्टेट कंपनी है, जो बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे में संपत्तियों पर निर्माण कार्य करती है।

जेईई-एडवांस्ड के परिणाम घोषित, मुंबई के आरके शिशिर और दिल्ली की तनिष्का काबरा रही शीर्ष पर

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) की प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड के परिणाम रविवार को घोषित कर दिए गए जिसमें बंबई जोन के आर. के. शिशिर ने प्रथम स्थान हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परीक्षा आयोजित कराने वाले आईआईटी बंबई के अनुसार, शिशिर को 360 में से 314 अंक मिले हैं। महिलाओं में दिल्ली जोन की तनिष्का काबरा 277 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं। अखिल भारतीय स्तर पर उनकी 16वीं रैंक है। इस परीक्षा में 1.5 लाख से अधिक अभ्यर्थी बैठे थे और 40,000 से ज्यादा परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। आईआईटी बंबई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कुल अंकों की गणना गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान में हासिल अंकों के योग के तौर पर की जाती है। उम्मीदवारों को परीक्षा पास करने के लिए आवश्यक कुल अंकों के साथ ही हर विषय में पास होने योग्य अंक लाने होते हैं।' देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

ुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में
ि्रयों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत
या है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते,
न्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है।
ि्रयों के बारे में उनके जो विचार देखने
आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

रज, धर्म, मित्र अरु नारी।
पद काल परखिए चारी।।

र्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की
क्षा अति विपत्ति के समय ही की जा
कती है। इंसान के अच्छे समय में तो
का हर कोई साथ देता है, जो बुरे
मय में आपके साथ रहे वही आपका
च्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको
से अधिक भरोसा करना चाहिए।

ननी सम जानहिं पर नारी।
न्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

र्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा
सी और स्त्री को अपनी मां सामान
मझता है, उसी के ह्रदय में भगवान
निवास स्थान होता है। जो पुरुष
री नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह
पी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर
ता है।

तोहि अतिसय अभिमाना ।
री सिखावन करसि काना ।।

र्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई
ली के सामने स्त्री के सम्मान का
दर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम
ज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने
ने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी
बात भी नहीं मानी और तुम हार गए।
लब अगर कोई आपको अच्छी बात
रहा है तो अपने अभिमान को
गकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता
से आपका फायदा ही हो जाए।

तसी देखि सुबेषु भूलहिं
न चतुर न सुन्दर ।
किही पेखु बचन सुधा
असन अहि ।।

र्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर
गों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं
क चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता
सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए
की बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह
प का सेवन करते हैं। इसका मतलब
दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए।
कोई भी हो। तमाम सीमाओं और
र्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस
रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित
ा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-
ड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों
घेरे में आ जाता है। कई महिला
ठनों ने तो इसका घोर विरोध भी
या।

भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
जादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ल गंवार सूद्र पसु नारी।
कल ताड़ना के अधिकारी।

र्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा
(दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का
भाव) भी आपकी ही बनाई हुई है।
ल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब
क्षा के अधिकारी हैं।
छ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि
र अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ
कालकर तुलसी दास जी और
मचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए
सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की
है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों
द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस

में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

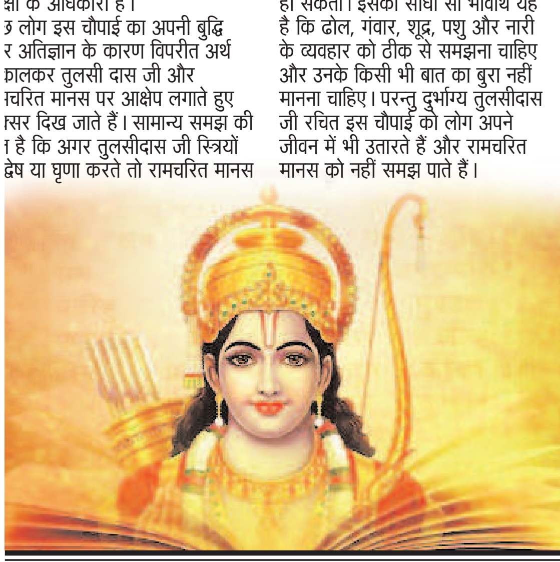

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर

उमर अब्दुल्ला ने कहा- जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक अनिश्चितता खत्म करने के लिए चुनाव जरूरी

श्री नगर। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को आरोप लगाया कि लोग जम्मू-कश्मीर में केंद्र के प्रशासन से तंग आ चुके हैं। उन्होंने क्षेत्र में 'राजनीतिक अनिश्चितता' को खत्म करने के लिए जल्द विधानसभा चुनाव कराने का आह्वान किया। उमर ने जम्मू में आयोजित एक सम्मेलन में पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा, ''जमीन पर कोई बदलाव नहीं हुआ। हमें उम्मीद थी कि स्थिति में सुधार होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय, भ्रम बढ़ गया है। आठ साल से अधिक समय से विधानसभा चुनाव नहीं हुआ है।'' उमर ने कहा कि केंद्र सरकार ने परिसीमन की कवायद पूरी होने के बाद विधानसभा चुनाव कराने का वादा किया था, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट बहुत पहले सौंपे जाने के बाद भी चुनाव की तारीखों की घोषणा करना अभी बाकी है। अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए ''लोकतांत्रिक, संवैधानिक और राजनीतिक रूप से'' लड़ाई जारी रखेगी, जिसे केंद्र ने तीन साल पहले खत्म कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि नेकां, जिसने पांच अगस्त 2019 को केंद्र द्वारा घोषित फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है, के पास एक मजबूत मामला है। उन्होंने कहा, 'हम सड़कों पर नहीं उतरे हैं या जनता को गुमराह नहीं कर रहे हैं या अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए कानून अपने हाथों में नहीं ले रहे हैं। हम लोकतांत्रिक, संवैधानिक और राजनीतिक रूप से अपनी लड़ाई जारी रखेंगे, जो हमारा अधिकार है।

जर्मनी में युवक ने 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगा चाकू से दो लोगों को किया जख्मी, पुलिस ने गोलीमार किया ढ़ेर

बर्लिन । दक्षिणी जर्मनी के एक टाउन कस्बे में गुरुवार को एक चरमपंथी युवक ने 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाते हुए चाकू से दो लोगों को बुरी तरह जख्मी कर दिया जिसके बाद पुलिस ने उसे गोली मारकर ढ़ेर कर दिया। स्थानीय पुलिस ने कहा कि 30 वर्षीय शख्स ने अंसबाक में रेलवे स्टेशन के पास कई राहगीरों पर चाकू से हमला किया। बयान में कहा गया कि इस हमले में दो लोग घायल हो गए लेकिन उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप करने पर हमलावर ने पुलिस पर भी हमला किय जिसके जवाब में अधिकारियों ने गोलियां चलाईं और हमलावर गंभीर रूप से घायल हो गया। खबर के अनुसार जांचकर्ताओं ने कहा कि वे संभावित 'इस्लामिक या आतंकी कनेक्शन' की तलाश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शख्स ने अपराध करते हुए कई बार 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाया। घटना की वीडियो फुटेज में हमलावर लोगों का पीछा करते हुए नजर आ रहा है। हाथ में एक लंबा ब्लेड लिए हमलावर सफेद टी-शर्ट और ब्लैक जैकेट में कार पार्किंग में खड़े कुछ लोगों की तरफ बढ़ता है। उसे अपनी तरफ आता देख लोग भागने लगते हैं और वह उनका पीछा करता है। वीडियो में सायरन की आवाज सुनी जा सकती है लेकिन 'अल्लाहु अकबर' सुनाई नहीं दे रहा है। खबर के मुताबिक लोगों का पीछा करने के कुछ देर बाद पुलिस ने उसे गोली मार दी और वह मौके पर ही मर गया। इससे पहले अंसबाक में 2016 में आतंकी हमला हुआ था जिसमें एक सुसाइड बॉम्बर ने एक वाइन बार के बाहर 15 लोगों को घायल कर दिया था। बॉम्बर की पहचान मोहम्मद दलील के रूप में हुई थी। 27 वर्षीय दलील सीरियाई शरणार्थी था जिसके तार इस्लामिक स्टेट से जुड़े हुए थे। आत्मघाती हमले में मरने वाला वह अकेला शख्स था। पिछले महीने जेट 2 विमान कंपनी के एक प्लेन में एक महिला अपने कपड़े उतार कर इधर उधर दौड़ने लगी। इस दौरान वह 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगा रही थी। महिला यह दावा कर रही थी कि विमान में विस्फोटक है।

ग्रीस और तुर्की के बीच तनाव बढ़ा, एर्दोगन की धमकी पर ग्रीस बोला- यूक्रेन 2.0 के लिए तैयार रहें!

एथेंस । रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच अब एक और युद्ध की आशंका बलवती होती दिख रही है। पूर्वी भूमध्यसागर में एक नया तनाव सुलगने लगा है। ग्रीस और तुर्की के बीच तनाव इतना बढ़ चुका है कि औपचारिक भाषा का पर्दा हटाते हुए दोनों अब एक-दूसरे को खुली धमकियां दे रहे हैं। ग्रीस ने कहा है कि क्षेत्र में 'यूक्रेन जैसा एक और युद्ध' शुरू हो सकता है। इससे पहले तुर्की ने अपने पड़ोसी देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। तुर्की और ग्रीस दोनों ही नाटो के सदस्य है। लेकिन दोनों के बीच तनातनी सैन्य गठबंधन में फूट के संकेत दे रही है। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ग्रीस को 'भारी कीमत चुकाने' की धमकी दे चुके हैं। तुर्की और ग्रीस के बीच तनाव के कई कारण हैं। इनमें एजियन द्वीप समूह की संप्रभुता, समुद्री अधिकार, प्राकृतिक गैस और हवाई क्षेत्र की सीमाएं शामिल हैं। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद भी दोनों देशों के संबंध अच्छे थे लेकिन हालिया हफ्तों में इनमें बड़ी गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार को एर्दोगन ने धमकी देते हुए कहा कि तुर्की 'अचानक एक रात को आ सकता है'। एक प्रेस कान्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं जिस बारे में बात कर रहा हूं वह कोई सपना नहीं है। अगर मैं कहता हूं कि हम अचानक एक रात को आ सकते हैं तो इसका मतलब है कि जब समय आएगा तो हम अचानक एक रात को आएंगे।' एर्दोगन की धमकी ने ग्रीस के गुस्से को भड़का दिया है। इस साल ग्रीस और तुर्की की 1919-1922 की जंग के 100 साल पूरे हो गए। 30 अगस्त को तुर्की ने विक्ट्री डे मनाया जब उसने अनातोलिया से ग्रीस की सेना को खदेड़ दिया था। शनिवार को एर्दोगन ने कहा, 'ग्रीस, इतिहास की तरफ देखो, समय में वापस जाओ, अगर आगे बढ़े तो भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।' इसके जवाब में ग्रीस ने नाटो, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र को पत्र भेजे और एर्दोगन के 'भड़काऊ' बयानों और 'खुली धमकी' की निंदा की। ग्रीस ने अपने पत्रों में संस्थानों से एर्दोगन के बयानों की निंदा करने की अपील की। यूक्रेन युद्ध की ओर इशारा करते हुए पत्र में लिखा था, 'मामले की गंभीरता को नजरअंदाज करके, हम फिर से ऐसी स्थिति देखने का जोखिम उठा सकते हैं जो वर्तमान में हमारे महाद्वीप के एक अन्य हिस्से में देखी जा रही है।' कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि बयानबाजी ने ग्रीस और तुर्की के बीच 2020 के तनाव जैसी स्थिति पैदा कर दी है जब दोनों के युद्धपोत आपस में टकरा गए थे और दोनों संघर्ष की कगार पर आ गए थे।

7.6 तीव्रता के भूकंप से कांपा पापुआ न्यू गिनी, नहीं हुई कोई क्षति

वॉशिंगटन । पापुआ न्यू गिनी में भारी तीव्रता वाले भूकंप के झटकों को महसूस करने के बाद अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्था ने मामले की पड़ताल की है। संस्थान ने उत्तरपूर्वी पापुआ न्यू गिनी में 7.6 तीव्रता के भूकंप का पता लगाया है। ये भूकंप सुबह 6-46 बजे आया। शुरुआती रीडिंग में भूकंप के केंद्र को कम आबादी वाले क्षेत्र केनंटू से 67 किलोमीटर (42 मील) पूर्व में लगभग 50 से 60 किलोमीटर (30 से 40 मील) की गहराई पर बताया गया है। खबरों के मुताबिक एनओएए की सलाह में कहा गया है कि इलाके के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप से हुए नुकसान के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। लेकिन यूएसजीएस का अनुमान है कि भूकंप की तीव्रता को देखते हुए कुछ लोगों के हताहत होने और संपत्ति का नुकसान होना संभव है और इसका प्रभाव अपेक्षाकृत स्थानीय होना चाहिए। पापुआ न्यू गिनी, न्यू गिनी द्वीप के पूर्वी भाग में इंडोनेशिया के पूर्व में और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में स्थित है। यह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर मौजूद है। जो प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंप आने का कारण बनता है। जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं। पापुआ न्यू गिनी के मध्य क्षेत्र में 2018 में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था। जिसमें कम से कम 125 लोग मारे गए थे। बहरहाल भूकंप प्रभावित इलाका एक दूरदराज का और अविकसित क्षेत्र है। जहां हुए जानमाल के नुकसान के बारे में कोई जानकारी मिलने में देर लग सकती है।

नाइजीरिया में बस की दूसरे वाहन से टक्कर, 20 यात्रियों की जलकर मौत

अबूजा । दक्षिणी पश्चिम नाइजीरिया में बस की दूसरे वाहन से टक्कर में कम से कम 20 यात्री की जलकर मौत हो गई। इबारापा जिले के प्रभारी ने बताया कि, 'यह एक घातक दुर्घटना थी। हमने पूरी तरह से जला हुआ 20 से अधिक शव निकाले हैं। प्रभारी ने दुर्घटना के लिए तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यात्रियों को ले जा रहे दो वाहनों के बीच आमने-सामने टक्कर हुई, जिसके बाद बस में आग लग गई जिसपर काबू नहीं पाया जा सका। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 'गंभीर रूप से झुलसे' दो लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। वहीं राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दुर्घटना की पुष्टि कर कहा कि दर्दनाक दुर्घटना में 20 लोगों की जान चली गई। हालांकि उन्होंने मृतकों के बारे में ज्यादा विवरण नहीं दिए। नाइजीरिया की खराब रखरखाव वाली सड़कों पर आम तौर पर तेज गति और यातायात नियमों की अवहेलना के कारण दुर्घटनाएं होती हैं।

विंडसर में दिवंगत महारानी एलिजाबेथे को याद कर पुष्प अर्पित करते हुए ब्रिटेन के प्रिंस विलियम , प्रिंसेस औफ वेल्स केथरीन, प्रिंस हैरी और डचेज ऑफ सूसेक्स मेघान।

महारानी एलिजाबेथ की वसीयत की जानकारी को रखा जाएगा गोपनीय

लंदन। दुनिया की सबसे धनी महिलाओं में से एक मानी जाने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की संपत्ति की जानकारी अब तक गोपनीय बनी रही है। इसलिए उनकी अंतिम वसीयत और वसीयतनामा से यह खुलासा होगा कि बृहस्पतिवार को स्कॉटलैंड में उनके निधन के बाद उनकी संपत्ति कैसे बांटी जाएगी।

एक ब्रांड के रूप में ब्रिटिश राजशाही की संपत्ति का मूल्यांकन 2017 में एक मूल्यांकन कंपनी ब्रांड फाइनेंस द्वारा लगभग 88 अरब अमेरिकी डॉलर किया गया था, जिसमें 'फोर्ब्स' ने निवेश, कला, गहने और अचल संपत्ति के रूप में महारानी की व्यक्तिगत संपत्ति लगभग 50 करोड़ अमेरीकी डॉलर आंकी थी। ऐतिहासिक रूप से शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ महारानी की वसीयत गोपनीय रखी गई है। 'द संडे टाइम्स रिच लिस्ट' ने 2015 में दिवंगत महारानी की संपत्ति की गणना 34 करोड़ पाउंड की थी, जिसमें धन का प्रमुख स्रोत डची ऑफ लैंकेस्टर था। यह ब्रिटिश शासक की निजी संपत्ति है, जो विशुद्ध रूप से उन्हें आय का एक स्रोत उपलब्ध कराने के लिए है।

चिप निर्माण में चीन और जापान के बजाय अमेरिका को तरजीह दे रहा उद्योग: बाइडन

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वैश्विक चिप निर्माण उद्योग अपने संयंत्र स्थापित करने के लिए चीन और जापान जैसे देशों की अपेक्षा उनके देश को तरजीह दे रहा है। बाइडन ने ओहायो के न्यू अल्बानी में 'इंटल ग्राउंडब्रेकिंग साइट' पर देश में इन कंपनियों के दो बड़े निवेश का जिक्र करते हुए कहा, ''चीन, जापान, उत्तर कोरिया और यूरोपीय संघ-- ये सभी अपने देशों में चिप निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए अरबों डॉलर निवेश कर रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के अग्रणी उद्योगपति हमें चुन रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अमेरिका अपने पुराने रंग में लौट आया है और नेतृत्व कर रहा है।''

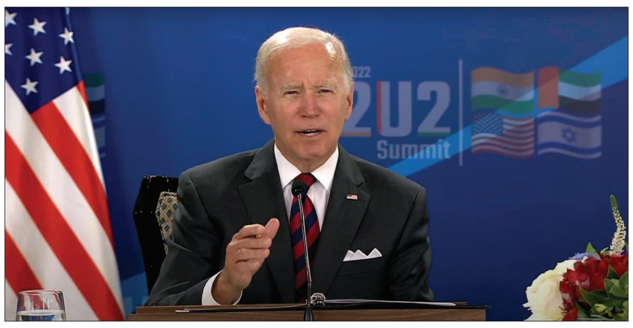

इंटेल की नई निर्माण सुविधा की नींव रखे जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''इंटेल यहीं, ओहायो में भविष्य के एक कार्यबल का निर्माण करेगा।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इस चिप का आविष्कार किया। राष्ट्रपति ने कहा, ''अमेरिका ने इसका आविष्कार किया। इसने नासा के चंद्रमा मिशन को संचालित किया। संघीय निवेश ने इन चिप को बनाने की लागत कम करने, बाजार और एक संपूर्ण उद्योग बनाने में मदद की। नतीजतन, करीब 30 साल पहले, 30 प्रतिशत से अधिक वैश्विक चिप निर्माण अमेरिका में होता था। ''

उन्होंने कहा, ''फिर अमेरिका की अर्थव्यवस्था की रीढ़ यानी निर्माण क्षेत्र खोखला हो गया। कंपनियों ने खासकर औद्योगिक मध्य पश्चिम से विदेशों में नौकरियां स्थानांतरित कर दीं। इसके परिणामस्वरूप, चिप अनुसंधान और डिजाइन में अग्रणी होने के बावजूद, आज हम दुनिया के केवल 10 प्रतिशत चिप का निर्माण कर रहे हैं।'' बाइडन ने कहा कि लेकिन कोरोना वायरस के कारण इनके निर्माण की लागत बढ़ जाने के कारण उद्योगपति फिर से अमेरिका का रुख करने लगे हैं।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी कंपनी माइक्रोन ने आगामी 10 साल में कारखानों के निर्माण के लिए 40 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है, जिससे देश में 40,000 नौकरियां पैदा होंगी और मेमोरी चिप बाजार में अमेरिका की साझेदारी 500 प्रतिशत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि दो अन्य कंपनियों - ग्लोबलफाउंड्रीज और क्वालकॉम - ने अमेरिका में चिप का निर्माण करने के लिए चार अरब डॉलर की साझेदारी की घोषणा की।

यूक्रेन ने रूस के सुखोई-35 फाइटर जेट की निकाली हवा, क्षमता पर उठे सवाल

-भारत को भी खरीदने का दिया है प्रस्ताव

कीव (एजेंसी)।

रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला जारी किए आधा साल से अधिक हो गया हैं और अभी भी पुतिन को सफलता प्राप्त नहीं हुई है। भारी हवाई हमलों के बाद अब रूस के सुखोई-35 की क्षमता पर सवाल उठने लगे है। दरअसल, रूस को खारकीव इलाके में बड़े झटके का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा है कि उन्होंने करीब 2000 किमी इलाके को रूसी कब्जे से मुक्त करा लिया है। यूक्रेन को मिलती इस बढ़त के बीच पश्चिमी रक्षा विशेषज्ञ रूस के हवाई ताकत पर बड़ा सवाल उठा रहे हैं। उनके निशाने पर सबसे ज्यादा रूस का सुखोई-35 फाइटर जेट है जिसे इस युद्ध के शुरू होने से पहले तक मास्को चौथी पीढ़ी का सबसे अजेय फाइटर जेट बताता था। यही नहीं रूस ने इस फाइटर जेट को भारत को भी ऑफर किया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा ईरान इस रूसी फाइटर जेट को लेकर इच्छुक है।

पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि यूक्रेन की इस 6 महीने की जंग में रूस के फाइटर जेट को कई झटके लगे हैं। रूस के तीन खरीदार देशों ने सुखोई-35 फाइटर जेट के ऑर्डर को इस आधार पर रद कर दिया है कि उनमें कई कमियां हैं। यही नहीं यूक्रेन की जंग में रूस ने कथित रूप से सुखोई-35 की दो स्क्वाड्रन को गंवा दिया है। यही नहीं रूसी वायुसेना की शान कहा जाने वाला फाइटर जेट अब पुतिन के लिए बड़ा सिरदर्द बनता जा रहा है। रूस का यह विमान सुखोई-27 के दो वेरिएंट से मिलकर बना है। कलाबाजियां करने में माहिर रूसी विमान के एयरफ्रेम को रूस की रक्षा कंपनी सुखोई ने शीतयुद्ध के समय बनाया था।

यूक्रेनी सेना को कम आंकना पड़ रहा भारी, रूसी सैनिक बन रहे शिकार, 6 महीने बाद इजियूम शहर आजाद

कीव (एजेंसी)।

रूस को यूक्रेन की सैन्य शक्ति और वहां के नागरिकों के राष्ट्रवाद को कम आंकना काफी भारी पड़ रहा है और इसका खमियाजा रूसी सैनिकों अपनी जान गवां कर चुकाना पड़ रहा है। युद्ध में जेलेंस्की की सेना को 6 महीने बाद शनिवार को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वोत्तर इलाके में स्थित इजियूम शहर से रूसी सेना को मार भगाया है। यूक्रेन की सेना लगातार इस इलाके में आगे बढ़ती जा रही है और युद्ध का एक नया नाटकीय चरण अब शुरू हो गया है। इजियूम शहर के मेयर वालेरिय ने ऐलान किया, 'शहर को आज आजाद करा लिया गया है।' इस शहर में अब आपातकालीन सेवाएं काम कर रही हैं ताकि वहां यूक्रेनी लोग फिर से वापस लौट सकें। पूरे खारकीव इलाके में रूसी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और उसके सैनिक एक गांव से दूसरे गांव में भागने को मजबूर हो गए हैं।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक दिन पहले ही कहा था कि वह इस इलाके में अपने रक्षात्मक चौकियों पर फिर से सेना को भेज रहा है। उसने अब शनिवार को पुष्टि की है कि उसकी सेना इजियूम शहर से लौट गई है। रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना एक योजना के तहत पीछे हटी है ताकि पूर्व में अपनी स्थिति को मजबूत किया जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध के दौरान शहरों पर कब्जा और फिर उसका पतन होना आम बात है और अभी यह स्पष्ट नहीं कि इजियूम पर यूक्रेन का नियंत्रण कितना सुरक्षित है। यह भी नहीं पता है कि रूस इस पर दोबारा कब्जा करने के लिए क?या कदम उठा रहा है।

बाल-बाल बचे पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान! उड़ान के 5 मिनट बाद ही विमान की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगातार सुर्खियों में रहते हैं। पाकिस्तान में उनकी सरकार जाने के बाद वह लगातार लोगों से मिलने का कार्यक्रम कर रहे हैं। इसी कड़ी में उनका एक कार्यक्रम 10 सितंबर को भी था। इसके लिए इमरान खान चकलाला से गुजरांवाला जा रहे थे। लेकिन, उड़ान भरने के 5 मिनट बाद ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सुरक्षित नीचे उतरने के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान सड़क मार्ग से रैली स्थल पर पहुंचे। सूत्रों का दावा है कि इमरान खान इस घटना में बाल-बाल बच गए। उनके विमान में तकनीकी खराबी आई थी। समय रहते ही इस खराबी का पता चल गया। पायलट ने सही सलामत विशेष विमान को सुरक्षित नीचे उतारने में कामयाबी हासिल की।

हालांकि, इमरान खान ने लोगों को संबोधित किया और शहबाज शरीफ की सरकार पर जमकर निशाना साधा। इमरान खान ने मांग करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जरूरत है और यह हर हाल में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो मैं लोगों से सड़कों पर शांतिपूर्वक उतरने की अपील करूंगा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लेकर भी इमरान खान ने शहबाज शरीफ की सरकार पर जमकर निशाना साधा। इमरान खान ने कहा कि वर्तमान सरकार देश और अर्थव्यवस्था को लगातार नीचे ले जा रही है। लेकिन सरकार के लोग जनता को इसके लिए जिम्मेदार ठहराने में व्यस्त हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश को दलदल में फंसने से आप साफ तौर पर रोक सकते थे। लेकिन आपने कुछ नहीं किया।

अपने संबोधन में इमरान खान ने पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिन्ना साहब ने देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराया था। लेकिन अब देश एक अलग ही गुलामी में है। इससे पहले इमरान खान ने सरकार को आगाह करते हुए साफ तौर पर कहा था कि अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का राजनीतिक उत्पीड़न जारी रहा तो वह इस्लामाबाद तक एक विशाल रैली निकालेंगे। आपको बता दें कि पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने इमरान खान के खिलाफ दर्ज आतंकवाद के मामले में उनकी जमानत अवधि को 12 सितंबर तक बढ़ा दी है।

पाकिस्तान में बाढ़ की विनाशलीला देख यूएन प्रमुख गुतारेस हुए परेशान

-बोले- ऐसा जलवायु नरसंहार कभी नहीं देखा

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान इन दिनों मूसलाधार बारिश और बाढ़ के प्रकोप से जूझ रहा है। बाढ़ से मची भीषण तबाही को देखकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस भी हतप्रभ रह गए। गुतारेस ने कहा कि उन्होंने इस तरह के बड़े पैमाने पर जलवायु नरसंहार कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'मैंने दुनिया में कई मानवीय आपदाएं देखी हैं, लेकिन कभी भी पाकिस्तान की इस बाढ़ जैसा जलवायु नरसंहार नहीं देखा। मैंने आज जो देखा है उसे बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान और सिंध के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के दौरान गुतारेस को बाढ़ से हुई तबाही के बारे में जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ से हुए विनाश को अकल्पनीय बताया। गुतारेस ने पाकिस्तान की मदद के लिए अंतराष्ट्रीय समुदाय से कदम उठाने की अपील की। उन्होंने स्वीकार किया कि इस देश में संयुक्त राष्ट्र जो कुछ कर रहा है, वह जरूरत का महज एक छोटा हिस्सा भर है। बाढ़ से हुए नुकसान पर गंभीर चर्चा करने की जरूरत है।

यूएन प्रमुख ने सिंध प्रांत के लरकाना में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के साथ बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया। उन्हें अधिकारियों ने मोहनजोदड़ो में संयुक्त राष्ट्र के धरोहर स्थलों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'हम अपनी सीमित क्षमता और अपने संसाधनों से अवगत हैं। लेकिन आपको इस बारे में अवश्य ही आश्वस्त होना होगा कि पाकिस्तान के लोगों के साथ हम पूरी तरह से एकजुट हैं।'

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यह सुनिश्चित करने को कहेंगे कि वे त्रासदीपूर्ण स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने का संकल्प लें और इस समय पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आएं। पिछले हफ्ते यूएन ने पाकिस्तान की मदद के लिए 16 करोड़ डॉलर की सहायता उपलब्ध कराने की अपील की थी। गुतारेस ने कहा कि पाकिस्तान और अन्य विकासशील देश जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता जारी रखने की भारी कीमत चुका रहे हैं। पाकिस्तान को संकट की इस स्थिति में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के आंकड़े में दो प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका सता रही है। इसमें बाढ़ के अलावा अंतरराष्ट्रीय

मुद्राकोष (आईएमएफ) से फंड मिलने में हुई देरी और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से उभरती आर्थिक स्थिति को जिम्मेदार बताया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 में पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि दर पांच प्रतिशत रहने की संभावना थी लेकिन बाढ़ एवं अन्य वजहों से इसके तीन प्रतिशत ही रहने के आसार दिख रहे हैं। 2010 में आए सुपर फ्लड ने लगभग दो करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। मौजूदा बाढ़ का असर देश भर में 3।3 करोड़ लोगों पर पड़ रहा है। करीब 60 लाख बाढ़-प्रभावित लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,396 हो गई है, जबकि घायलों की कुल संख्या 12,700 से अधिक है।

संपादकीय

पदयात्रा के लक्ष्य

ऐसे में कहा जा सकता है कि कांग्रेस यदि उठाये गये मुद्दों से जनता को जोड़ पाती है तो पार्टी की यात्रा से आशातीत सफलता की उम्मीद की जा सकती है। बहरहाल, देश में 150 दिन चलने वाली और बारह राज्यों से गुजरने वाली पदयात्रा की शुरुआत कन्याकुमारी से हो गयी है।

निस्संदेह, कांग्रेस पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय को लेकर सवाल उठाये जा सकते हैं क्योंकि फिलहाल पार्टी पूर्णकालिक अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया से गुजर रही है। कयास ये भी हैं कि क्या राहुल गांधी इस पद को स्वीकारेंगे या गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति इस पद तक पहुंचेगा। बहरहाल, देश में आजादी से पहले महात्मा गांधी व बाद में चंद्रशेखर की यात्राओं का इतिहास रहा है। जिसमें उनके राजनीतिक कद व सामाजिक सरोकारों का संबल भी रहा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कांग्रेस यदि उठाये गये मुद्दों से जनता को जोड़ पाती है तो पार्टी की यात्रा से आशातीत सफलता की उम्मीद की जा सकती है। बहरहाल, देश में 150 दिन चलने वाली और बारह राज्यों से गुजरने वाली पदयात्रा की शुरुआत कन्याकुमारी से हो गयी है। ऐसे वक्त में जब पार्टी का जनाधार सिकुड़ा है और तमाम दिग्गज एक-एक करके पार्टी को अलविदा कह रहे हैं, भारत जोड़ो यात्रा के जरिये कांग्रेस पार्टी अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश तो करेगी ही। ये आने वाला वक्त बतायेगा कि कांग्रेस अपनी बात को किसी हद तक लोगों तक पहुंचा पायी है। कांग्रेस की यह पदयात्रा जम्मू-कश्मीर में खत्म होने से पहले बारह राज्यों से गुजरेगी। यात्रा जहां नहीं जायेगी वहां सहायक यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही हर राज्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। निस्संदेह, पार्टी 2024 के महासमर के लिये अपने जनाधार को विस्तार देने की तैयारी में है। पार्टी का कहना है कि सत्तारूढ़ राजग सरकार के कार्यकाल में सामाजिक ध्रुवीकरण से राष्ट्रीय एकता को खतरा पैदा हुआ है। वहीं महंगाई व बेरोजगारी से त्रस्त समाज को राहत देने की ईमानदार कोशिश नहीं हो रही है। दरअसल, दक्षिण भारत में ध्रुवीकरण की राजनीति प्रभावी न होने के कारण कांग्रेस ने अपनी यात्रा यहां से शुरू करके दक्षिण में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की कोशिश की है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि पार्टी कहां तक अपने मकसद में कामयाब होती है। निस्संदेह, हर पदयात्रा के राजनीतिक निहितार्थ होते हैं। महात्मा गांधी ने दांडी यात्रा की शुरुआत ऐसे वक्त में की थी जब कांग्रेस में स्फूर्ति लाने की महती आवश्यकता थी। वहीं चंद्रशेखर भी पार्टी के आंतरिक राजनीतिक हालात से क्षुब्ध थे। कमोबेश कांग्रेस पार्टी ऐसे ही संक्रमणकाल से गुजर रही है। नेतृत्व का प्रश्न भी उसके सामने है। गांधी परिवार के शीर्ष नेताओं से केंद्रीय एजेंसियों की पूछताछ जारी है। अपने लंबे-चौड़े इस्तीफे में गुलाम नबी आजाद ने कहा भी कि देश जोड़ने के बजाय इस समय कांग्रेस को जोड़ने की जरूरत है। सवाल यह भी है कि महासमर में राजग के मुकाबले के लिये विपक्षी एकता के प्रयासों की कड़ी में क्या विपक्षी दलों को भी पदयात्रा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए था? इस बीच कुछ अन्य विपक्षी दलों द्वारा भी पदयात्रा शुरू करने की खबरें हैं। भले ही कांग्रेस पदयात्रा का लक्ष्य देश में ध्रुवीकरण से उत्पन्न खतरों से लोगों को अवगत कराना, महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे पर जन दबाव बनाना बताती हो, मगर उसका मुख्य लक्ष्य तो राहुल गांधी की जन स्वीकार्यता में इजाफा करना ही है। भारत जोड़ो यात्रा की टैगलाइन- 'मिले कदम, जुड़े वतन' का नारा पार्टी के लिये कितना मुफीद होगा, यह आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इससे पार्टी संगठन में जान फूंकने में मदद अवश्य मिलेगी।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

संता: बेटा , अक्लमंद आदमी बेवकूफों की बातों का जवाब नहीं देते। वे बात को हंसकर टाल देते हैं।

बेटा: पापा इसीलिए तो मैंने आज एक्जाम़ में बस पेपर पढ़ा और कोई जवाब नहीं दिया। मैं हंसकर वहां से चला आया।

☺ ☺ ☺

संता: कल रात चोर मेरे घर में घुस आए और सारा सामान उठाकर ले गए।

बंता: लेकिन तुम्हारे पास तो बंदूक है। वह कहां रखी थी ?

संता: अरे यार , मैंने चोरों को देखते ही उसे जल्दी से छिपा दिया था।

☺ ☺ ☺

संता: लगता है वह लड़की बहरी है।

बंता: तुझे कैसे पता ?

संता: मैं कुछ कहता हूं और वह कुछ और ही जवाब देती है।

बंता: कैसे ?

संता : यार मैंने उसे आई लव यू कहा , तो बह बोलने लगी अभी सैंडिल निकालती हूं।

☺ ☺ ☺

इंस्पेक्टर , ड्राइवर से: तुम बस को खेत में क्यों ले गए ?

ड्राइवर: सड़क में कुत्ता आ गया था।

इंस्पेक्टर: एक कुत्ते के लिए तुमने इतने पैसेंजर्स की जान खतरे में डाल दी। तुम्हें उसे रौंदते हुए निकल जाना चाहिए था।

ड्राइवर: साहब वही तो कर रहा था। कमबख्त खेत में घुस गया।

भारत में कुटुंब सबसे छोटी इकाई होकर भी अतुलनीय शक्ति वाली है

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

आज के परिवारों में माता पिता को चाहे एक ही संतान हो, उसे भी अमेरिका अथवा अन्य किसी विकसित देश में पढ़ने एवं रोजगार के लिए भेज देते हैं और स्वयं वृद्ध आश्रम में रहते लगते हैं। इसलिए आज आश्यकता इस बात की है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को हमारे देश के महापुरुषों की जानकारी दें, सनातन हिंदू संस्कृति एवं महान संस्कारों की जानकारी दें, हमारे समृद्ध इतिहास की जानकारी दें। तिलक लगाना, अपने से बड़ों का चरण स्पर्श करना, बुजुर्गों से आशीर्वाद लेना, आदि यह सब हमारे संस्कारों में हुआ करता है। प्राचीन भारत में परिवारों में यह प्रथा थी कि भोजन को ग्रहण करने के पहिले 5 कौर निकालते थे (एक कौर गाय माता के लिए, एक कौर कौवे के लिए, एक कौर श्वान के लिए, आदि) तब परमात्मा को भोग लगाया जाता था और फिर भोजन ग्रहण किया जाता था।

ब्रिटेन एवं अन्य विकसित देशों में शादियों के पवित्र बंधन टूटने की घटनाएं बहुत बड़ी मात्रा में हो रही हैं, तलाक की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए ब्रिटेन की भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती मार्ग्रेट थेचर ने एक बार कहा था कि क्यों न ब्रिटेन भी भारतीय विवाह मूल्यों को अपना ले क्योंकि भारतीय हिंदू समाज में तो तलाक की घटनाएं लगभग शून्य रहती हैं। भारत में तो शादी के पवित्र बंधन को इस जन्म में ही नहीं बल्कि आगे आने वाले सात जन्मों तक निभाने की कसमें खाई जाती हैं। आज भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में बहुत महान एवं प्राचीन मानी जा रही है। भारतीय संस्कृति के मूल में एकात्म का भाव छुपा है। हम सब में ईश्वर का वास है और भारत में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को सीखने की परम्परा समाज की सबसे छोटी इकाई अर्थात परिवार एवं कुटुंब से प्रारम्भ होती है। प्राचीन भारत में तो कुटुंब प्रबोधन के सम्बंध में नियमों को गुरूकुल में सिखाया जाता था। वर्ष 1823 तक भारत में 750,000 गुरूकुल थे। परंतु दुर्भाग्य से विदेशी आक्राताओं द्वारा इन समस्त गुरुकुलों को नष्ट कर दिया गया और हमारी आने वाली पीढ़ियां महान भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में सफल नहीं हो सकी। इस विश्व को, इस देश को, इस समाज को बचाने की शुरुआत तो अपने परिवार से ही करनी होगी। अच्छी आदतों को अपने घर से ही प्रारम्भ करना होगा। केवल उपदेश देने से काम चलने वाला नहीं हैं। आज के परिवारों में माता पिता को चाहे एक ही संतान हो, उसे भी अमेरिका अथवा अन्य किसी विकसित देश में पढ़ने एवं रोजगार के लिए भेज देते हैं और स्वयं वृद्ध आश्रम में रहते लगते हैं। इसलिए आज आश्यकता इस बात की है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को हमारे देश के महापुरुषों की जानकारी दें, सनातन हिंदू संस्कृति एवं महान संस्कारों की जानकारी दें, हमारे समृद्ध इतिहास की जानकारी दें। तिलक लगाना, अपने से बड़ों का चरण स्पर्श करना, बुजुर्गों से आशीर्वाद लेना, आदि यह सब हमारे संस्कारों में हुआ करता है। प्राचीन भारत में परिवारों में यह प्रथा थी कि भोजन को ग्रहण करने के पहिले 5 कौर निकालते थे (एक कौर गाय माता के लिए, एक कौर कौवे के लिए, एक कौर श्वान के लिए, आदि) तब परमात्मा को भोग लगाया जाता था और फिर भोजन ग्रहण किया जाता था। लगभग प्रत्येक परिवार में यज्ञ किए जाने की प्रथा का पालन होता था। गांव में बेटी की शादी होने की स्थिति में गांव के समस्त परिवार मिलकर उस शादी की व्यवस्था करते थे। जैसे वह बेटी किसी विशेष परिवार की न होकर पूरे गांव की बेटी हो। साथ ही, इस शादी में होने वाले पूरे खर्च का सभी परिवार मिलकर वहन करते थे। मातृशक्ति का सम्मान तो भारतीय संस्कृति के मूल में है। माताओं को देवी के रूप माना जाता रहा है।

हाल ही के समय में यह ध्यान में आता है कि अन्य देश भारतीय संस्कारों एवं परम्पराओं को अपनाते जा रहे हैं परंतु हमारी युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कारों की ओर आकर्षित होती जा रही है। भारत में भी कहीं कहीं परिवार टूट रहे हैं, भारतीय संस्कार कहीं पीछे छूट रहे हैं। भाई-भाई, पिता-पुत्र, पिता-बेटी, भाई-बहिन के बीच पारिवारिक सम्पत्ति को लेकर कोर्ट-कचहरी में केस हो रहे हैं। इसलिए आज समाज के हर वर्ग को आपस में जोड़ने की आवश्यकता है। सनातन हिंदू संस्कृति की मूल भावना ही आपस में जोड़ने की है। परिवार बचेगा तभी यह देश भी बचेगा। पश्चिमी संस्कारों में निजता हावी है। निजता का भाव किसी के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पता है। इसलिए वहां सामूहिक जीवन का अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में शादी के कुछ समय पश्चात ही पति-पत्नि के बीच तलाक की परिणती दिखाई देती है। इसके ठीक विपरीत भारत में सामूहिक जीवन है। समाज में परिवार/गृहस्थ एक केंद्र बिंदु अथवा धुरी के रूप में उपस्थित रहता है। परिवार बढ़ने पर नए सदस्यों का सदैव स्वागत किया जाता है। परिवार में पशु पक्षियों को भी शामिल किया गया है। इसलिए। बिल्ली को मौसी, नदी को माता, धरती को माता, गौ को माता, अग्नि को सखा आदि की संज्ञा दी गई। ÷वसुधेव कुटुम्बकम÷ के सिद्धांत को माना गया है अर्थात पूरे विश्व को ही अपना परिवार माना जाता है। भारत में इसलिए परिवार नामक संस्था को बहुत महत्व दिया जाता है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह श्री दत्तात्रेय जी होसबाले ने श्री शंकराचार्य के एक श्लोक ÷स्वदेशो भूमत्व÷ का स्मरण करते हुए एक कार्यक्रम में कहा है कि राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई कुटुंब बलवान व अतुलनीय शक्ति वाली है। सैकड़ों वर्षों तक अन्य मतावलंबियों के आक्रमण के कारण हमने अपनी धरती को खोया। सांस्कृतिक जीवन को प्रभावित कर उसे पूरी तरह नष्ट करने का प्रयास हुआ, परंतु इस दीर्घकालीन व्यवस्था में कुटुंब व्यवस्था बरकरार रही। इसलिए इसे आज के परिप्रेक्ष्य में और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। परिवार को कल्याणकारी बनाने से समाज और देश का कल्याण होगा। अतः कुटुंब प्रबोधन का कार्य परिवार से ही शुरू करने की जरूरत है और कुटुंब को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित कार्यों को आज करने की महती आवश्यकता महसूस की जा रही है-

(1) माह में कम से कम दो बार परिवार के साथ बैठना एवं आपस में चर्चा करना ताकि एक दूसरे के सुख दुःख को साझा किया जा सके एवं सम्भव हो तो उन समस्याओं का निदान भी सोचा एवं किया जा सके।

(2) इसी प्रकार कम से कम एक दिन मित्र परिवारों के साथ भी बिताया जाना चाहिए, आपस में की गई चर्चा से परिवार के सभी सदस्यों का न केवल मन हल्का हो जाता है बल्कि आत्मविश्वास भी जागृत होता है।

(3) भारतीय समाज में मोबाइल एवं टीवी के लगातार बढ़ रहे उपयोग को देखते हुए अब तो समाज के सभी सदस्यों के लिए यह एक अनुकरणीय कार्य बन जाना चाहिए कि मोबाइल एवं टीवी का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाय और इस बचे हुए समय को धार्मिक, आध्यात्मिक अथवा सामाजिक कार्यों में लगाया जाय।

(4) परिवार के समस्त सदस्य अभी प्रातःकाल में नींद से जिस भी समय पर जागते हैं उससे कम से कम 30 मिनट पहले जागें और इस उत्कृष्ट समय को किसी श्रेष्ठ कार्य में लगाएं।

(5) परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रतिदिन साहित्य वाचन की आदत विकसित करनी चाहिए।

(6) गलत सामाजिक मान्यताओं, अहंकार, भय, स्वार्थ को परिवार से दूर रखना चाहिए। इन बातों पर व्यर्थ में समय व्यतीत नहीं करना चाहिए।

(7) अपनी जन्मतिथि मनाने का रिवाज भारत में भी चल पड़ा है परंतु हमें भारतीय परम्पराओं का ध्यान रखते हुए हुए ही अपनी जन्मतिथि को मनाना चाहिए और जन्मदिन मनाते समय समाजहित के उपक्रम को करने के बारे में विचार करना चाहिए। इसके लिए हम सभी मिलकर आत्मनिरीक्षण करें कि जन्मदिन जैसे दिन को समाजहित में परिवर्तित करें।

(8) हमारे वेद, पुराण एवं धर्मग्रंथों में यह बताया गया है कि अपनी कमाई का कुछ भाग समाजसेवा में लगाया जाना चाहिए इस दृष्टि से सामाजिक सेवा संस्थानों का सहयोग किया जाना चाहिए।

(9) प्रत्येक परिवार के समस्त सदस्य आपस में मिल-बैठकर भोजन करने की परम्परा पुनः प्रारम्भ करें। भोजन को थाली में बिल्कुल भी न बचायें। जितने भोजन की आवश्यकता हो केवल उतना भोजन ही थाली में लें। प्रत्येक परिवार के सदस्य प्रतिदिन प्रभु परमात्मा एवं अपने इष्ट देव की आरती की प्रथा पुनः प्रारम्भ करें।

उक्त के साथ ही, प्रत्येक घर के आंगन में तुलसी का पौधा हो, घर में इष्ट देव एवं भगवानों की मूर्तियां स्थापित होनी चाहिए। युवा पीढ़ी को सनातन हिंदू धर्म के संस्कार बचपन में ही दें ताकि परिवार के सभी सदस्यों की बीच सदैव प्रेमपूर्ण सम्बंध बने रहें। हमारी युवा पीढ़ी को अपने परिवार की कम से कम सात पीढ़ियों की नाम याद होना चाहिए। हमारे युवाओं को अपने जन्मदिन की तारीख भारतीय गृह नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार भी पता होनी चाहिए और जन्मदिन के पावन दिन धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाने चाहिए। प्रत्येक परिवार को निम्न वर्णित पांच प्रकार के महायज्ञ नियमित रूप से करना चाहिए।

(1) बृह्म यज्ञ - सात्विक चिंतन करना; (2) देव यज्ञ - देव सृष्टि आराधना करना; (3) पित्र यज्ञ - पूर्वजों का स्मरण करना; (4) नर यज्ञ - नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसे मूर्त रूप देना; और (5) भूत यज्ञ - प्राणी मात्र एवं पंच महाभूतों के कल्याण की कामना करना।

विचार मंथन

लिज ट्रस का रुख

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

भारतीय मूल के ऋषि सुनक तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। लेकिन जिन लिज ट्रस ने यह बाजी मारी है, उनका रुख भी भारत को लेकर बहुत गर्मजोशी भरा रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी की नवनिर्वाचित नेता और भावी प्रधानमंत्री लिज ट्रस ब्रिटेन के उन वरिष्ठ राजनेताओं में शामिल हैं, जिन्हें भारत-ब्रिटेन के रणनीतिक तथा आर्थिक संबंधों को और बेहतर बनाने के लिये जाना जाता है। वह ट्रस ही थीं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री रहने के दौरान पिछले साल मई में बोरिस जॉनसन के नेतृत्व वाली सरकार के लिए वृहद व्यापार साझेदारी (ईटीपी) पर मुहर लगवाई। यही ईटीपी अब चल रही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) बातचीत के लिए शुरुआती आधार के तौर पर काम कर रही है। ट्रस ने भारत की यात्राएं की हैं और वह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ डिजिटल वार्ता भी कर चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने देश को बड़ा, प्रमुख अवसर करार दिया था। ईटीपी पर हस्ताक्षर के बाद ट्रस ने कहा था मैं बनते व्यापार परिदृश्य में ब्रिटेन और भारत को एक बेहतरीन स्थिति में देख रही हूं। उन्होंने कहा कि हम एक व्यापक व्यापार समझौते पर विचार कर रहे हैं जिसमें वित्तीय सेवाओं से लेकर कानूनी सेवाओं के साथ-साथ डिजिटल और डेटा समेत वस्तुएं और कृषि तक सब कुछ शामिल हैं। हमें लगता है कि हमारे शीघ्र एक समझौता करने की प्रबल संभावना है, जहां हम दोनों ओर शुल्क घटा सकते हैं और दोनों देशों के बीच अधिक वस्तुओं का आयात-निर्यात होते देख सकते हैं। विदेश मंत्री के तौर पर अपनी पदोन्नति के बाद ट्रस ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) की कमान एनी मेरी ट्रेवेलयन को सौंप दी थी। यह उम्मीद की जा रही है कि वह (ट्रेवेलयन) अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री की अपनी भूमिका में ब्रिटेन-भारत एफटीए वार्ता पर आगे बढ़ेंगी। टोरी नेता के तौर पर निर्वाचित होने के लिए पूर्व ब्रिटिश वित्त मंत्री ऋषि सुनक के साथ अपने मुकाबले के दौरान ट्रस ने पार्टी के कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया (सीएफआईएन) प्रवासी समूह के समक्ष कहा था कि वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए बेहद प्रतिबद्ध रहेंगी। उन्होंने भारत-ब्रिटेन एफटीए के लिए भी अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और उम्मीद जताई की दिवाली तक इसे पूरा करने की कोशिश की जाएगी, जो समयसीमा उनके पूर्ववर्ती बोरिस जॉनसन ने निर्धारित की थी। ट्रस ने कहा कि अगर तब तक संभव न हो सका तो निश्चित तौर पर साल के अंत तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। ट्रस ने रूस और चीन की आक्रामकता के खिलाफ अपने स्वतंत्रता के नेटवर्क लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर बार-बार सहमति जताई है। इस साल के आरंभ में विदेश नीति को लेकर एक अहम वक्तव्य में उन्होंने घोषणा की थी कि रूस और चीन साथ मिलकर काम कर रहे हैं, क्योंकि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी प्रौद्योगिकियों में मानकों को स्थापित करने का प्रयास करते हैं। संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से पश्चिमी प्रशांत महासागर और घनिष्ठ संबंधों के माध्यम से अंतरिक्ष में अपना प्रभुत्व जमाते हैं। ट्रस के अनुसार, चीन और रूस ने एक वैचारिक शून्यता की स्थिति ढूंढी है और उनकी नजर इसे भरने पर है। वे काफी उत्साहित हैं। हमने शीत युद्ध के बाद से ऐसा नहीं देखा है। स्वतंत्रता के समर्थक लोकतांत्रिक देशों के रूप में हमें इन खतरों का सामना करने के लिए तैयार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नाटो के साथ-साथ हम ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान, इंडोनेशिया और इजरायल जैसे साझेदारों के साथ काम कर रहे हैं ताकि स्वतंत्रता के वैश्विक नेटवर्क का निर्माण किया जा सके।

कार्बन संकट के खतरे

हरियाली के साथ जीवन व उद्योग शैली बदलें

(लेखक- पंकज चतुर्वेदी)

भारत पहले ही संयुक्त राष्ट्र को आश्वस्त कर चुका है कि 2030 तक हमारा देश कार्बन उत्सर्जन की मौजूदा मात्रा को 33 से 35 फीसदी घटा देगा, लेकिन असल समस्या तो उन देशों के साथ है जो मशीनी विकास व आधुनिकीकरण के चक्कर में पूरी दुनिया को कार्बन उत्सर्जन का दमघोंटू बक्सा बनाए दे रहे हैं। साथ ही अपनी आर्थिक प्रगति की गति के मंथर होने के भय से पर्यावरण के साथ इतने बड़े अत्याचार को थामने को राजी नहीं हैं। इन दिनों पेरिस में चल रहे जलवायु परिवर्तन के सम्मेलन में विकसित देश नारे तो बड़े-बड़े लगा रहे हैं लेकिन कार्बन की मात्रा खुद घटाने के बनिस्बत भारत व ऐसे ही तेजी से विकास की राह पर दौड़ रहे देशों पर दबाव बना रहे हैं। चूंकि भारत में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं जो खाना पकाने के लिए लकड़ी या कोयले के चूल्हे इस्तेमाल कर रहे हैं, सो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां परंपरागत ईंधन के नाम पर भारत पर दबाव बनाती रहती हैं, जबकि विकसित देशों में कार्बन उत्सर्जन के अन्य कारण ज्यादा घातक हैं। सभी जानते हैं कि वायुमंडल में सभी गैसों की मात्रा तय है और 750 अरब टन कार्बन कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में मौजूद है। कार्बन की मात्रा बढ़ने का दुष्परिणाम है कि जलवायु परिवर्तन व धरती के गर्म होने जैसे प्रकृतिनाशक बदलाव हम झेल रहे हैं। कार्बन की मात्रा में इजाफे से दुनिया पर तूफान, कीटों के प्रकोप, सुनामी या ज्वालामुखी जैसे खतरे मंडरा रहे हैं। धरती में कार्बन का बड़ा भंडार जंगलों में हरियाली के बीच है। पेड़, प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से हर साल कोई सौ अरब टन यानी पांच फीसदी कार्बन वातावरण में पुनर्चक्रित करते हैं। आज विश्व में अमेरिका सबसे ज्यादा 1,03,30,000 किलो टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है जो कि वहां की आबादी के अनुसार प्रति व्यक्ति 17.4 टन है। उसके बाद कनाडा प्रति व्यक्ति 15.7 टन, फिर रूस 12.6 टन हैं। जापान, जर्मनी, द. कोरिया आदि औद्योगिक देशों में भी कार्बन उत्सर्जन 10 टन प्रति व्यक्ति से ज्यादा ही है। इसकी तुलना में भारत महज 20 लाख सत्तर हजार किलो टन या प्रति व्यक्ति महज 1.7 टन कार्बन डाइऑक्साइड ही उत्सर्जित करता है। इसमें कोई शक नहीं कि प्राकृतिक आपदाएं देशों की भौगोलिक सीमाएं देख कर तो हमला नहीं करती हैं। चूंकि भारत नदियों का देश है, वह भी अधिकांश ऐसी नदियां जो पहाड़ों पर बर्फ पिघलने से बनती हैं, सो हमें कार्बन घटाने का हरसंभव प्रयास करना ही चाहिए। कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम करने के लिए हमें एक तो स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना होगा। कार्बन उत्सर्जन घटाने में सबसे बड़ी बाधा वाहनों की बढ़ती संख्या, मिलावटी पेट्रो पदार्थों की बिक्री, घटिया सड़कें व ऑटो पार्ट्स की बिक्री व यातायात जाम हैं। बढ़ता कचरे का ढेर व उसके निपटान की माकूल व्यवस्था न होना भी कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण की बड़ी बाधा है। सनद रहे कि कूड़ा जब सड़ता है तो उससे बड़ी मात्रा में मीथेन, कार्बन मोनो व डाइऑक्साइड गैसें निकल कर वायुमंडल में कार्बन घनत्व बढ़ाती हैं। बड़े बांध, नहरों के कारण बढ़ते दलदल भी कार्बन डाइऑक्साइड पैदा करते हैं। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और वाष्प शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक उत्सर्जन कार्बन डाइऑक्साइड का होता है- ईंधन के जलने से, खासतौर पर कोयला, डीजल-पेट्रोल जैसे ईंधन से। ये गैसें वातावरण में बढ़ती जा रही हैं और इससे ओजोन परत में छेद बढ़ता ही जा रहा है। पृथ्वी के चारों ओर का वायुमंडल मुख्यतः नाइट्रोजन (78 प्रतिशत), ऑक्सीजन (21 प्रतिशत) तथा शेष 1 प्रतिशत में सूक्ष्ममात्रिक गैसों से मिलकर बना है, जिनमें ग्रीन हाउस गैसें भी शामिल हैं। ये ग्रीनहाउस गैसें आवरण का काम करती हैं एवं इसे सूर्य की पराबैंगनी किरणों से बचाती हैं। अभी तक यह मान्यता रही है कि पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोख कर आक्सीजन में बदलते रहते हैं। सो, जंगल बढ़ने से कार्बन का असर कम होगा। यह एक आंशिक तथ्य है। कार्बन डाइऑक्साइड पेड़ों की वृद्धि में तो सहायक है लेकिन यह तभी संभव होता है जब पेड़ों को नाइट्रोजन सहित सभी पोषक तत्व सही मात्रा में मिलते रहें। सब जानते हैं कि खेतों में बेशुमार रसायनों के इस्तेमाल से बारिश का पानी कई गैरजरूरी तत्वों को लेकर जंगलों में पहुंचता है और इससे वहां की जमीन में मौजूद नैसर्गिक तत्वों का गणित गड़बड़ा जाता है।

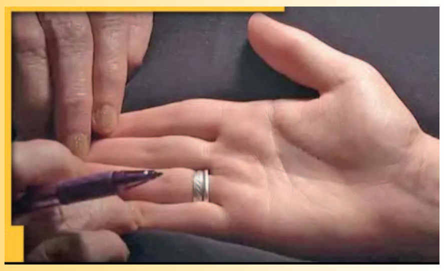

उंगलियों के दूरी भी बताती है कैसा रहेगा जीवन

हाथ की रेखाओं के साथ आप उंगलियों से भी आप वर्तमान और भविष्य के बारे में जान सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार,हस्तरेखा में उंगलियों की लंबाई के साथ उनकी बनावट और उनके बीच की दूरी भी इंसान के बारे में बता सकती है। अंगुलियों के बीच का अंतर भविष्य में क्या छिपा है यह बता सकता है।

लक्ष्य को लेकर होते हैं काफी गंभीर

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, तर्जनी यानी अंगूठे के पास वाली उंगली और मध्यमा यानी मीडिल फिंगर के बीच में खाली जगह है तो उस व्यक्ति के विचार स्वतंत्र होते हैं। वह आसानी से हर बात को कह देता है। अंगुलियों के बीच की ज्यादा दूरी है तो वह काफी मतलबी हो सकते हैं। हालांकि इस तरह के लोग अपने लक्ष्य को लेकर काफी गंभीर होते हैं और इनकी मेहनत भी काफी रंग लाती भी है।

ऐसे लोग केवल अपने फायदे सोचते हैं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, मध्यमा यानी मिडिल फिंगर और अनामिका यानी रिंग फिंगर के बीच में दूरी नहीं होनी चाहिए। इन दोनो अंगुलियों का पास-पास होना शुभ माना जाता है। अगर इनके बीच में खाली जगह हो तो ऐसा व्यक्ति काफी लापरवाह माना जाता है। यह केवल अपने बारे में सोचते हैं।

परिवार के लिए करते हैं सभी कार्य

अनामिका यानी रिंग फिंगर और कनिष्ठा यानी सबसे छोटी उंगली के बीच की खाली जगह अशुभ मानी जाती है। ऐसे व्यक्ति बहुत क्रोधी होते हैं। यह अपने हक के लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं, फिर यह गलत और सही नहीं देख पाते। जिनकी खाली जगह होती है, वह काफी सकारात्मक सोचते हैं और अपने परिवार की शांति के लिए सभी कार्य करते हैं।

बड़े पदों पर काम करते हैं ऐसे लोग

अगर तर्जनी यानी अगूंठे के पास वाली उंगली अनामिका यानी रिंग फिंगर से छोटी होती है। तो ऐसे व्यक्ति में अहं भाव, सम्मान पाने की इच्छा बहुत होती है। यदि यह ऊंगली अनामिका से बड़ी हो तो व्यक्ति उत्तरदायित्व वाले पदों यानी बड़े पदों पर काम करता है। अगर यह सामान्य से छोटी हो तो व्यक्ति में महत्वाकांक्षा की कमी होती है।

गंभीर स्वभाव के होते हैं ऐसे व्यक्ति

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, यदि किसी भी उंगलियों में फासला नहीं है तो ऐसे व्यक्ति काफी गंभीर स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग किसी से ज्यादा बात नहीं करते हैं, हमेशा अपने आप में रहते हैं। जिनकी सभी उंगलियों में फासला होता है ऊर्जावान होते हैं। इन लोगों की सोच काफी सकारात्मक होती है।

मनी प्लांट लगाते समय रखें यह ध्यान

यूं तो हर कोई मनी प्लांट अपने घर में लगाता है ताकि घर में आर्थिक रूप से संपन्नता हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत दिशा में रखा गया मनी प्लांट आपको तबाह कर सकता है। आर्थिक रूप से कंगाल बना सकता है। तो अगर आप भी ये पौधा अपने घर में लगाना चाहते हैं, तो पहले इन बातों को जान लें। इसके मुताबिक ही घर में मनी प्लांट लगाएं। इससे आपको काफी लाभ होगा।

जब भी घर में ये पौधा लाएं तो ध्यान रखें कि इसे आग्नेय दिशा यानी कि दक्षिण-पूर्व में ही लगाएं। बता दें कि इस दिशा के देवता गणेश जी है जो कि अमंगल नाशक हैं और प्रतिनिधि ग्रह है शुक्र जो कि सुख- समृद्धि दायक है। इस तरह आपको आग्नेय दिशा में मनी प्लांट लगाने से फायदा ही फायदा होगा।

वहीं अगर आपने इसे किसी और दिशा में या फिर नकारात्मक कही जाने वाली ईशान दिशा यानी कि उत्तर- पूर्व में रख दिया तो आपको हानि ही हानि होगी। इसके पीछे कारण यह है कि बृहस्पति जो कि देवताओं के गुरु हैं और शुक्र राक्षसों के गुरु हैं। दोनों ही एक-दूसरे के शत्रु हैं ओर ईशान का प्रतिनिधि ग्रह बृहस्पति है।

ऐसे में जब भी आप इस दिशा में मनी प्लांट लगाते हैं तो आपको नुकसान ही नुकसान होगा। तो जब भी आपको घर में मनी प्लांट का पौधा लगाना हो, ध्यान रखें कि उसकी दिशा आग्नेय हो। इससे आपको धन संबंधी लाभ तो मिलेगा ही साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

पितृपक्ष में रखें इन बातों का ध्यान, पितृ होंगे प्रसन्न

पितृपक्ष शुरू हो गया है, इस समय लोग अपने पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय करवाते हैं, तो आइए हम आपको कुछ उपाय बताते हैं जिनसे आपके पितृ प्रसन्न होकर आपको आर्शीवाद देंगे।

पितृपक्ष का महत्व

हमारे हिन्दू धर्म में पितृपक्ष विशेष महत्व रखता है। हमारे यहां मृत्यु उपरांत व्यक्ति का श्राद्ध करना आवश्यक होता है। ऐसी मान्यता है कि अगर किसी का श्राद्ध विधिपूर्वक नहीं हुआ तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है। माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान यमराज पितरों को उनके परिजनों से मिलने के लिए मुक्त कर देते हैं। ऐसे में अगर पितृपक्ष में पितरों का श्राद्ध न किया जाए तो उनकी आत्मा दुखी होती है।

पितृपक्ष से जुड़ी पौराणिक कथा

एक पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में जोगे और भोगे नामक के दो भाई रहते थे। जोगे बड़ा था और भोगे छोटा था। जोगे बहुत धनवान था लेकिन भोगे गरीब था। जोगे की पत्नी को अपना धनवान होने का बहुत अभिमान था लेकिन भोगे की पत्नी बहुत सरल थी। पितृपक्ष आने पर जोगे की पत्नी ने जोगे से पितरों का श्राद्ध करने को कहा लेकिन जोगे नहीं माना। लेकिन जोगे की पत्नी को लगा कि अगर श्राद्ध नहीं करेंगे तो समाज क्या कहेगा। इसलिए श्राद्ध करवाया और उसमें अपने मायके वालों को अपना धन दिखाने के लिए बुलाया। इस तरह जिस दिन श्राद्ध था उस दिन पितृ आए और उन्होंने देखा कि जोगे के घर उसके पत्नी के मायके वाले भोजन कर रहे हैं। यह देखकर पितृ बहुत दुखी हुए और भोगे के घर चले गए। भोगे के घर अगियारी निकली थी उसकी राख चाट कर पितृ चले गए।

उसके बाद सभी पितृ जब नदी किनारे इकट्ठे हुए तो जोगे और भोगे के पितृ बहुत दुखी हुए। उन्होंने सोचा कि अगर भोगे के पास धन होता तो वह जरूर हमारा श्राद्ध अच्छे से करता । इसलिए सभी पितृ भोगे को धन मिले कहकर नाचने लगे। इधर भोगे के घर में भोजन नहीं होने के कारण उसके बच्चे भूखे थे। उन्होंने खाने का मांगा तो उनकी मां ने ऐसे ही कह दिया कि जाओ बर्तन में रखा है कुछ लेकर खा लो। जब बच्चों ने बर्तन खोला तो देखा कि उसमें सोने की मुहरे रखी हैं। उन्होंने यह बात मां को बतायी। इसके भोगे की पत्नी ने पितरों का अच्छे से श्राद्ध किया और जेठ-जठानी को बुलाकर आवभगत की।

पितृ पक्ष में ये गलती न करें

पंडितों की मान्यता है कि पितृपक्ष में अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। यदि आप अपने पितरों को तर्पण करते हैं, तो ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करें। तर्पण के दौरान पानी में काला तिल, फूल, दूध, कुश मिलाकर पितरों का तर्पण करें। शास्त्रों का मानना है कि कुश का उपयोग करने से पितर जल्द ही तृप्त हो जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान आप प्रत्येक दिन स्नान के तुरंत बाद जल से ही पितरों को तर्पण करें। इससे उनकी आत्माएं जल्द तृप्त होती हैं और आशीर्वाद देती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ पक्ष के दिनों में पितरों के लिए भोजन रखें। वह भोजन गाय, कौआ, कुत्ता आदि को खिला दें। पंडितों का मानना है कि उनके माध्यम से ये भोजन पितरों तक पहुंचता है।

किस दिन करें श्राद्ध

जिसकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो उसका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। मृतक का श्राद्ध मृत्यु होने वाले दिन करना चाहिए। दाह संस्कार वाले दिन श्राद्ध नहीं किया जाता। अग्नि में जलकर, विष खाकर, दुर्घटना में या पानी में डूबकर, शस्त्र आदि से अल्पमृत्यु वालों का श्राद्ध चर्तुदशी को करना चाहिए, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी तिथि में हुई हो। आश्विन कृष्ण पक्ष में सनातन संस्कृति को मानने वाले सभी लोगों को प्रतिदिन अपने पूर्वजों का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए, इससे पितर संतृप्त हो कर हमें दीर्घायु, आरोग्यता, पुत्र-पौत्रादि यश, स्वर्ग पुष्टि, बल, लक्ष्मी, स्थान, वाहन, सब प्रकार की समृद्धि सौभाग्य, राज्य तथा मोक्ष की प्राप्ति कराते हैं।

पितृपक्ष में निषेध हैं ये काम

1. नए कपड़े और नया सामान न खरीदें।
2. दरवाजे पर आए भिखारी और अतिथि का अपमान न करें।
3. बासी खाना न खाएं। साथ ही शराब और मांस का भी सेवन न करें।
4. पितृपक्ष में होने वाली पूजा में लोहे के बर्तन के स्थान पर हमेशा पीतल और तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करें।
5. तेल और सजावट का सामान इस्तेमाल नहीं करें।
6. इस दौरान मसूर की दाल, अलसी, धतूरा, कुलथी और मदार की दाल का सेवन न करें।

इन कामों से होते हैं पितृ प्रसन्न

1. ब्राह्मणों को सम्मान पूर्वक बुलाकर भोजन कराएं। यह ध्यान रहे कि भोजन हमेशा दोपहर में ही कराएं, सुबह और शाम को देवताओं को समय होता है।
2. ब्राह्मणों को भोजन कराकर उन्हें मीठा जरूर खिलाएं। मीठा खाने से ब्राह्मण प्रसन्न होंगे और उससे पितृ खुश होंगे।
3. इसके अलावा आप गाय, कुत्ते और कौवों को भोजन करा सकते हैं। इन्हें भोजन कराएं बिना श्राद्ध अधूरा माना जाता है।

ये 10 चीजें हो तो माता लक्ष्मी कभी नहीं आती पास

व्यक्ति अपने परिवार की खुशी के लिए कड़ी मेहनत करता है ताकि उसके घर में हमेशा सुख और समृद्धि बनी रहे। लेकिन जाने-अनजाने कई बार कुछ छोटी-छोटी गलतियों की वजह से उनके ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा नहीं हो पाती। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कई बार कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिसकी हम अनदेखी कर देते हैं लेकिन यही अनदेखी नुकसान और परेशानी की वजह बन जाती है।

वास्तु शास्त्र में घर पर मकड़ी के जाले को अशुभ माना जाता है इसलिए मकड़ी का जाला घर में न लगने दें। इससे उलझन और परेशानी बढ़ती है।

टूटे हुए आईने से हमेशा नकारात्मक ऊर्जा निकलती रहती है इसलिए घर में जब भी कोई दर्पण या शीशा टूट जाए तो उसे घर से बाहर कर दें।

घर में चमगादड़ का प्रवेश अशुभ माना गया है। वास्तु विज्ञान के अनुसार घर में चमगादड़ का आना सूनेपन की निशानी है। घर में कुछ बुरी घटनाएं होने के संकेत होते हैं।

घर की दीवारों में दरारों का होना अशुभ होता है इसलिए जहां दरार हो उसकी मरम्मत करवाएं, दरार का होना धन के लिए अशुभ माना गया है क्योंकि माता लक्ष्मी उन्हीं घरों में वास करती है जहां पर साफ-सफाई होती है।

वास्तु शास्त्र में नल से पानी टपकते रहने को अशुभ माना गया है। नल से लगातार पानी टपकने से धन की हानि होती है। इसलिए जब भी नल से पानी टपकता हो तो उसकी मरम्मत तुरंत करवाएं।

घर की छत पर कबाड़ और बेकार की चीजों को एकत्र न होने दें।

पूजा घर या घर पर कभी भी में बासी फूल को इकट्ठा करके नहीं रखें।

घर में खराब पड़े बिजली के उपकरणों को नहीं रहने देना चाहिए।

घर में कबूतर का घोंसला बनाना वास्तु विज्ञान के अनुसार अशुभ चिन्ह है। माना जाता है इससे घर पर बड़ी मुसीबत आती है।

घर के दीवारों के कोने में अगर कोई मधुमक्खी या मकड़ी घर में छत्ता लगाए तो इसे हटा दें। इनका घर में होना अशुभ सूचक होता है।

घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें

वास्तु के अनुसार अपने घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें। क्योंकि रंग भी घर में भी रहने वाली सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा को प्रबावित करते हैं। घर में यदि सही रंगों का प्रयोग किया गया है तो घर में अच्छी ऊर्जा बनी रहती है।

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा यदि ठीक हो तो घर के मुखिया पर भगवान इंद्र की कृपा रहती है। इसके अलावा यह दिशा भगवान सूर्य को भी समर्पित मानी गई है, इस दिशा में सही होने से समाज में मान-सम्मान बना रहता है। वास्तु के अनुसार इस दिशा का फर्श गहरे हरे रंग का होना चाहिए।

पश्चिम दिशा

शास्त्रों के अनुसार पश्चिम दिशा लक्ष्मीजी का निवास माना गया है। इसलिए इस दिशा का दोष मुक्त होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में अच्छी साफ-सफाई रखनी चाहिए। इस दिशा में फर्श का रंग सफेद होना चाहिए और बहुत ज्यादा आकृति और डिजाइंस नहीं होना चाहिए।

उत्तर दिशा

घर की उत्तर दिशा बेहद महत्वपूर्ण होती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार केवल इस एक दिशा के सही होने से घर में खुशहाली आती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को धन-कुबेर का स्थान माना जाता है। इस दिशा में हमेशा गहरे काले रंग का पत्थर फर्श के तौर पर लगवाना चाहिए।

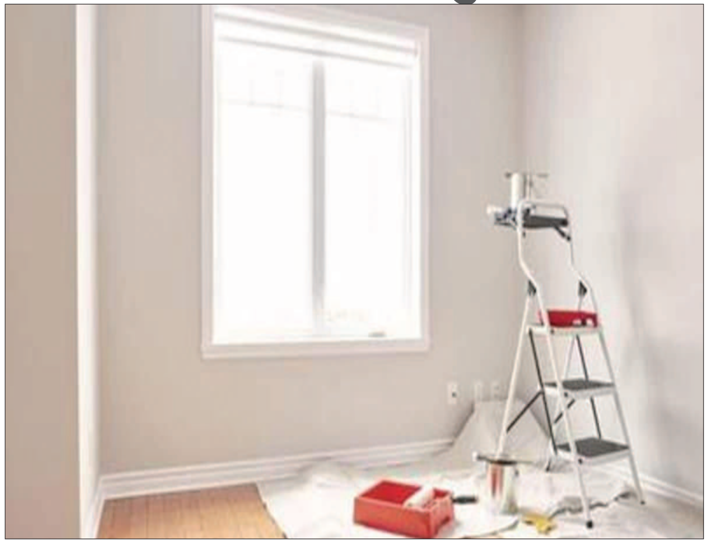

दक्षिण दिशा

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा नर्क की दिशा मानी जाती है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि कभी भी इस दिशा में घर का प्रलेश द्वार नहीं होना चाहिए। न ही इस दिशा में शयन-कक्ष या पति-पत्नी का बेडरूम होना चाहिए। चूंकि इसे यम की दिशा मानी जाती है तो यहां के फर्श का रंग गहरा लाल होना चाहिए...।

उत्तर-पूर्व दिशा

उत्तर-पूर्व दिशा में भगवान शिव का वास माना गया है। शिवजी को आसमानी और नीला रंग बेहद पसंद है, इसलिए शिव पूजा में आसमानी रंगों का प्रयोग किया जाना शुभ माना गया है।

दक्षिण पूर्व

इस दिशा का सृष्टि के रचियता ब्रह्मा की दिशा माना गया है। इस दिशा में बैंगनी रंग का फर्श होना शुभ माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा

दक्षिण दिशा के स्वभाव से ठीक विपरीत दक्षिण पश्चिम दिशा का स्वभाव है। इस दिशा में हल्के रंगों का इस्तेमाल सही माना गया है। यहां हल्के गुलाबी रंग का फर्श ठीक माना गया है।

उत्तर-पश्चिम दिशा

घर की इस दिशा को वायु की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा की दीवारों, पर्दों और यहां तक फर्श का रंग भी ग्रे होना चाहिए। यह रंग इस दिशा के लिए सबसे शुभ माना गया है।

इन जानकारी के अनुसार अगर आप अपने घर का फर्श बनवाते हैं तो आपको घर वास्तुदोष से मुक्त रहेगा। लेकिन अगर किसी कारण से आपने किसी दिशा में गलत रंग का फर्श बनवा लिया है तो आप कमरों का उपयोग बदल सकते हैं। जैसे रसोईघर को शयन कक्ष बना लें या लिविंग एरिया को बेडरूम बनाकर घर को वास्तुअनुरूप बना सकते हैं।

चांदी 2818 रुपए तेज, सोना फिसला

मुंबई । विदेशी बाजारों की तेजी से समर्थन पाकर बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी में 2818 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी रही, वहीं मांग फिसलने से सोना 87 रुपए प्रति दस ग्राम की मामूली गिरावट पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 6.19 डॉलर प्रति औंस मजबूत होकर सप्ताहांत पर 1716.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अमेरिकी सोना वायदा भी 1.65 डॉलर प्रति औंस की तेजी लेकर 1712.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.71 डॉलर प्रति औंस की बढ़त के साथ 18.74 डॉलर प्रति औंस रही।

महिंद्रा लाइफस्पेस नए जमीन के टुकड़े खरीदेगी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में 3,000 से 4,000 करोड़ रुपए की बिक्री संभावनाओं वाले जमीन के टुकड़े खरीदने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कहा है कि वह यह जमीन सीधे या भू-स्वामियों के साथ भागीदारी करके प्राप्त करेगी। महिंद्रा समूह की इकाई मुंबई की महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) हाल में एक अरब डॉलर या करीब 8,000 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद सुब्रमण्यम ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी विस्तार के लिए अपने कारोबार के तीन प्रमुख शहरों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु में नए जमीन के टुकड़े खरीदने पर विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पहले ही एक जमीन का टुकड़ा खरीदा है। इसका सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 1,700 करोड़ रुपए है। सुब्रमण्यम ने कहा कि पिछले साल हमने नए भूमि अधिग्रहण के लिए 2,500 करोड़ रुपए का लक्ष्य तय किया था। ये सभी आंकड़े जीडीवी में है। यानी यह जमीन अधिग्रहण की लागत नहीं बल्कि नई जमीन से हासिल होने वाला बिक्री मूल्य है। पिछले वित्त वर्ष में हमने 3,800 करोड़ रुपये का जीडीवी हासिल किया। चालू वित्त वर्ष में हम 1,700 करोड़ रुपए का जीडीवी हासिल कर चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में भी हम कम से कम पिछले साल का आंकड़ा हासिल करेंगे।

निर्यातकों को चावल निर्यात में 40-50 लाख टन गिरावट की आशंका

नई दिल्ली । निर्यातकों ने कहा है कि टूटे चावल के निर्यात पर प्रे तिबंध और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर शुल्क लगाए जाने से भारत का चावल निर्यात चालू वित्त वर्ष में करीब 40-50 लाख टन तक गिर सकता है। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 40 फीसदी है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 2.123 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था, जो इसके पहले 1.778 करोड़ टन था। कोविड से पहले तक 2019-20 में निर्यात 95.1 लाख टन था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि के दौरान देश ने 93.5 लाख टन का निर्यात किया है जो एक साल पहले की समान अवधि में 83.6 लाख टन था। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सेतिया ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में निर्यात 1.6-1.7 करोड़ टन ही रह सकता है। टूटे चावल के निर्यात पर पाबंदी लगना और गैर-बासमती चावल पर 20 फीसदी निर्यात शुल्क लगना इसकी वजह है। उन्होंने कहा कि देश से गैर-बासमती चावल का निर्यात 38-40 करोड़ डॉलर प्रति टन के भाव पर हो रहा था जो अन्य देशों से होने वाले निर्यात की दर से कम है। सरकार के इन निर्णयों के बाद से दाम बढ़कर अपने प्रतिस्पर्धियों के बराबर हो सकते हैं। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने पिछले दिनों टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने की वजह बताते हुए कहा था कि बहुत बड़े पैमाने पर टूटे चावल की खेप बाहर भेजी जा रही है। इसके अलावा पशु चारे के लिए भी समुचित मात्रा में टूटा चावल उपलब्ध नहीं है। इसका इस्तेमाल एथनॉल में मिलाने के लिए भी किया जाता है।

यश बैंक के शेयरों ने अपने निवेशकों को 35 फीसदी रिटर्न दिया

मुंबई ।

यस बैंक एक ऐसा बैंकिंग स्टॉक है जिसमें हजारों निवेशकों का पैसा या तो डूबा है या अभी भी फंसा हुआ है। अब फिर से इस बैंकिंग स्टॉक ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। पिछले 3 महीने में इसने अपने निवेशकों को 35 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। यस बैंक के शेयर शुक्रवार को 17.55 रुपए पर बंद हुए। शेयरों में हालिया तेजी का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि इस 8 सिंतबर को इसने 20 महीने के उच्च स्तर को छुआ। पिछले 3 महीने में यस बैंक ने शेयरों ने 38 फीसदी का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बैंक के आउटलुक में सुधार की वजह से शेयरों में तेजी देखी जा रही है। क्रिसिल का कहना है कि रेटिंग एजेंसियों को यस बैंक में सुधार देखने को मिल रहा है। तमाम रेटिंग एजेंसी ने बैंक की रेटिंग और इसके इंस्ट्रुमेंट्स की रेटिंग अपग्रेड की है। डिपॉजिट, बेहतर एसेट क्वालिटी, रिस्क मैनेजमेंट, मुनाफे में सुधार देखने को मिल रहा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि मार्च 2020 में रिकंस्ट्रक्शन स्किम के बाद बैंक के डिपोजिट बेस के बढ़ने का अनुमान है और बैंक की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। पिछले महीने रेटिंग एजेंसी क्रिसिल और इंडिया रेटिंग और रिसर्च ने यस बैंक के इंस्ट्रूमेंट्स को भी अपग्रेड किया था। वहीं पिछले दिनों ये भी खबर आई कि यश बैंक का 48,000 करोड़ का बैड लोन जेसी फ्लावर्स खरीद रही है। यह खबर भी बैंक के लिए अच्छी है। दूसरी तरफ बैंक का कारोबार भी बढ़ रहा है।

भारत और जीसीसी ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

रियाद । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और छह देशों के क्षेत्रीय संगठन जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है। जयशंकर ने शनिवार को यात्रा के पहले दिन जीसीसी के महासचिव से मुलाकात की और मौजूदा क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया` कि जीसीसी के महासचिव डॉ. नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ बैठक सार्थक रही। भारत और जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिति और उस संदर्भ में भारत-जीसीसी सहयोग की प्रासंगिकता पर चर्चा की। जीसीसी एक क्षेत्रीय, अंतर सरकारी, राजनीतिक व आर्थिक संघ है जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत के जीसीसी के साथ पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं।

इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजारों की चाल

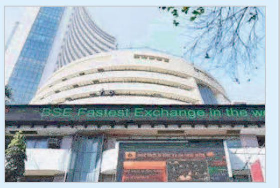

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कई वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह सोमवार को जुलाई के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े आने वाले हैं। वहीं बुधवार को थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि इस सप्ताह बाजार की दिशा वैश्विक बाजारों के रुझान के अलावा कुछ महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े तय करेंगे। सप्ताह के दौरान मुद्रास्फीति के अलावा विनिर्माण और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े आने हैं। इसके अलावा विदेशी कोषों का प्रवाह और डॉलर के मुकाबले रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार के एक अन्य जानकार कहते हैं` कि वैश्विक बाजारों को बेसब्री से अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार है। इन आंकड़ों पर सभी की निगाह रहेगी, क्योंकि इसके आधार पर ही पता चलेगा कि फेडरल रिजर्व का आगे का रुख क्या रहता है। कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव और डॉलर के मुकाबले रुपए का रुख बाजार की धारणा को प्रभावित करेगा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 989.81 अंक लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.90 अंक 1.67 प्रतिशत चढ़ गया। बाजार के जानकारों का मानना है कि बाजारों में अभी तेजी का रुख जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बाजार में अभी व्यापक रूप से लिवाली का रुझान दिख रहा है।

बाजार की तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों का बड़ा हाथ

नई दिल्ली ।

विगत कुछ सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उम्मीद भरे रहे दरअसल इस अच्छी तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों का बड़ा हाथ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में करीब 5,600 करोड़ रुपये डाले हैं। त्योहारी सीजन में उपभोक्ता खर्च बढ़ने की उम्मीद इसके पीछे एक बड़ा कारण है। साथ ही अन्य उभरते बाजारों की तुलना में फंडामेंटल्स मजबूत होने की वजह से एफपीआई का भारतीय बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। इससे पहले अगस्त में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 51,200 करोड़ रुपये तथा जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। यह स्पष्ट दिख रहा है कि भारतीय बाजारों को लेकर एफपीआई के रुख में बदलाव आया है। जुलाई में करीब नौ माह बाद एफपीआई शुद्ध निवेशक बने थे। उसके बाद से उनका यह रुख जारी है। एफपीआई की भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ था। अक्टूबर, 2021 से जून, 2022 के दौरान एफपीआई ने 2.46 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से नौ सितंबर के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 5,593 करोड़ रुपये डाले हैं। एक कंपनी के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजय कुमार ने कहा कि भारतीय बाजारों में एफपीआई की लिवाली जारी रहेगी। यदि अमेरिका में बॉन्ड पर यील्ड बढ़ती है या डॉलर इंडेक्स 110 से ऊपर जाता है, तो उनका रुख प्रभावित हो सकता है। विजयकुमार ने कहा, 'एफपीआई भारतीय बाजारों में इसलिए लिवाली कर रहे हैं, क्योंकि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन सबसे अच्छा है। अमेरिका, यूरोपीय क्षेत्र और चीन में सुस्ती है।' वहीं, एक एजेंसी प्रमुख जय प्रकाश गुप्ता ने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों पर कोई भी निर्णय ले, भारतीय बाजारों में एफपीआई की लिवाली जारी रहेगी।' गुप्ता ने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, त्योहारी सीजन में उपभोक्ता खर्च बढ़ने की उम्मीद, बेहतर वृहद आर्थिक बुनियाद की वजह से निश्चित रूप से भारतीय बाजारों की स्थिति अच्छी है।' एक अन्य कंपनी के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि कीमतों में गिरावट और घरेलू बॉन्ड यील्ड घटने से भारतीय बाजारों में तेजी है।' एक अन्य एजेंसी के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि जुलाई मध्य से एफपीआई का भारत को लेकर रुख बदलना शुरू हुआ। मुद्रास्फीति के नीचे आने के बीच उन्हें उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व और अन्य केंद्रीय बैंक ब्याज दरों के मोर्चे पर अधिक तेजी से आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय शेयर बाजार 'करेक्शन' के दौर से गुजरा है, जिससे अभी मूल्यांकन काफी आकर्षक है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी शुद्ध रूप से 158 करोड़ रुपये डाले हैं।

कच्चे तेल के दाम 7 माह के निचले स्तर पर

पर नहीं घटे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत सात माह के निचले स्तर पर आ गई हैं, लेकिन भारत में पेट्रोल और डीजल के खुदरा बिक्री मूल्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसकी वजह यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने लागत में बढ़ोतरी के बावजूद करीब पांच माह तक नुकसान झेलते हुए पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की थी। तेल कंपनियां अब इसकी भरपाई में लगी हैं। मंदी की आशंका के बीच फरवरी की शुरुआत के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पिछले सप्ताह 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। उसके बाद से यह कुछ तेजी के साथ 92.84 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जो छह महीने का निचला स्तर है। रूस द्वारा नॉर्थ स्ट्रीम पाइपलाइन को बंद रखने और कच्चे तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और उसके सहयोगियों (ओपेक प्लस) के उत्पादन में कटौती जैसे कदमों के बावजूद कीमतों में गिरावट आई है। हालांकि, इससे भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रिकॉर्ड 158 दिन से पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव (फ्रीज) नहीं हुआ है। पेट्रोलियम कीमतों में बदलाव नहीं होने के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में तेजी की वजह से दाम नहीं बढ़ाने के चलते जो नुकसान हुआ था, उसकी वजह से अब ये कंपनियां कीमतें नहीं घटा रही हैं। उन्होंने कहा जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची थीं, हमारी (पेट्रोल और डीजल) कीमतें पहले ही कम थीं। क्या हमने अपने सारे नुकसान की भरपाई कर ली है? हालांकि, उन्होंने छह अप्रैल से दरों को स्थिर रखने से हुए नुकसान के बारे में विस्तार से नहीं बताया। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल का भाव आठ सितंबर को 88 डॉलर प्रति बैरल बैठ रहा था। अप्रैल में यह औसत 102.97 अरब डॉलर प्रति बैरल और उसके बाद के महीने में यह 109.51 डॉलर प्रति बैरल था। जून में यह 116.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। जुलाई से अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट आना शुरू हुई। उस समय भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल का औसत भाव 105.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अगस्त में यह 97.40 डॉलर प्रति बैरल और सितंबर में अबतक 92.87 डॉलर प्रति बैरल पर है।

अकासा एयर की चेन्नई-बेंगलुरु के बीच नियमित उड़ान शुरू

नई दिल्ली । अकासा एयरलाइन ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया है। कंपनी के नेटवर्क में यह पांचवां शहर है। अकासा एयर की चेन्नई से पहली कमर्शियल उड़ान बेंगलुरु तक होगी और दोनों शहरों के बीच प्रत्येक दिशा में दो दैनिक उड़ानों का संचालन किया जाएगा। एयरलाइन चेन्नई में अपने परिचालन को बढ़ाते हुए 15 सितंबर से चेन्नई-मुंबई मार्ग पर विमान सेवा शुरू करेगी। इसके साथ ही एयरलाइन ने 26 सितंबर को चेन्नई- बेंगलुरु मार्ग पर एक अतिरिक्त विमान सेवा और चेन्नई-कोच्चि मार्ग पर उड़ान शुरू करने का फैसला किया है।अकासा एयर के सह संस्थापक ने मीडिया से कहा कि हमने चेन्नई से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत के साथ आज एक नया मुकाम हासिल किया है, यह हमारे नेटवर्क का पांचवां शहर है। आज से हम इस नए मार्ग पर प्रत्येक दिशा में दो दैनिक सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हम 15 सितंबर से भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई से चेन्नई के बीच उड़ान की शुरुआत कर अपने नेटवर्क को मजबूत करेंगे। 26 सितंबर को चेन्नई-कोच्चि मार्ग की शुरुआत के साथ हमारा नेटवर्क और मजबूत होगा। इसके साथ उन्होंने कहा कि विस्तार के साथ कंपनी का सारा ध्यान अपने ग्राहकों को किफायती दर पर विमान सेवा मुहैया कराना है।

एफआईआई ने निवेश जारी रखा तो जल्द नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे शेयर बाजार

- बीते सप्ताह एफआईआई का निवेश 6136.66 करोड़ रुपए रहा

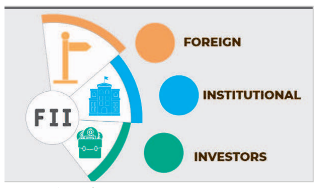

मुंबई । वैश्विक स्तर पर महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में हो रही बढ़ोतरी के दबाव के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की जोरदार लिवाली और कच्चे तेल की कीमतों में कमी की बदौलत बीते सप्ताह 1.7 प्रतिशत की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार में यदि एफआईआई का निवेश जारी रहा तो सेंसेक्स और निफ्टी जल्द ही नई ऊंचाई को छूएंगे। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेद सूचकांक सेंसेक्स 989.81 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 59793.14 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 293.9 अंक की तेजी के साथ 17833.35 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई की दग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 473.31 मजबूत होकर सप्ताहांत पर 25937.22 अंक और स्मॉलकैप 727.92 अंक चढ़कर 29528.74 अंक हो गया। आधिकारिक स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बीते सप्ताह एफआईआई ने बाजार में कुल 6948.41 करोड़ रुपए की शुद्ध लिवाली की लेकिन सोमवार को वह 811.75 करोड़ रुपए के बिकवाल भी रहे, जिससे इनका शुद्ध निवेश 6136.66 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह सितंबर माह में अब तक वे 3837.56 करोड़ रुपए की शुद्ध लिवाली कर चुके हैं, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक 69.71 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे हैं। इस वर्ष पिछले छह महीने के बाद अगस्त में शुरू हुई एफआईआई की लिवाली लगातार जारी है। इस महीने एफआईआई ने बाजार में 22025.62 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया जबकि घरेलू निवेशकों ने 7068.63 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। ऐसे में विश्लेषकों का मानना है कि यदि एफआईआई और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का बाजार में निवेश लगातार जारी रहा तो जल्द ही सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई को छूने में कामयाब हो जाएंगे। इसके अलावा अगले सप्ताह अगस्त की खुदरा और थोक महंगाई तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होने वाले हैं। जुलाई में खुदरा महंगाई घटकर 6.71 प्रतिशत और थोक महंगाई भी कम होकर 13.93 प्रतिशत रह गई थी। यदि इस बार भी महंगाई दर में गिरावट आई तो बाजार पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

जुलाई-सितंबर में बढ़कर 114 अरब डॉलर हो जाएगा वस्तुओं का निर्यात: रिपोर्ट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान देश का वस्तुओं का निर्यात 11.4 प्रतिशत बढ़कर 114.4 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। एक्जिम बैंक ने यह अनुमान लगाया है। भारत के निर्यात-आयात बैंक एक्जिम बैंक ने तिमाही आंकड़े जारी करते हुए कहा है कि दूसरी तिमाही के निर्यात के आंकड़े वैश्विक स्तर पर जिंस कीमतों में नरमी, प्रमुख व्यापार भागीदार देशों में संभावित सुस्ती, मुद्रास्फीतिक दबाव और सख्त मौद्रिक रुख से प्रभावित हो सकते हैं। एक्जिम बैंक जून, सितंबर, दिसंबर और मार्च के पहले सप्ताह में अपने तिमाही अनुमान जारी करता है। एक्जिम बैंक देश से निर्यात के तिमाही आंकड़ों का अनुमान एक्पोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) से लगाता है, जो इसका खुद का मॉडल है। ईएलआई देश के निर्यात परिदृश्य का आकलन करता है। यह देश से तिमाही आधार पर कुल वस्तुओं के निर्यात और गैर-तेल निर्यात का आकलन करता है। यह देश के निर्यात को प्रभावित करने वाले तमाम घरेलू और वैश्विक कारकों का भी आकलन करता है। एक्जिम बैंक ने कहा कि इस आकलन के परिणामों की विशेषज्ञों की स्थायी तकनीकी समिति ने की है। समिति में जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सिन्हा रॉय, रिजर्व बैंक के आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग के निदेशक शरत ढल, बेस विश्वविद्यालय के कुलपति प्राफेसर एन आर भानुमूर्ति, इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के प्रोफेसर सी वीरमानी ने समीक्षा की है।

थोक मूल्य सूचकांक की गणना के लिए आधार वर्ष बदलने को लेकर चर्चा जारी

- देश में मूल्य स्थिति की अधिक वास्तविक तस्वीर पेश करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की गणना के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2017-18 करने को लेकर अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श चल रहा है। बताया जा रहा है` कि वर्ष को संशोधित कर 2017-18 करने से देश में मूल्य स्थिति की अधिक वास्तविक तस्वीर पेश करने में मदद मिलेगी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पिछले साल जून में एक कार्यसमूह की तकनीकी रिपोर्ट का मसौदा जारी किया था, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक के आधार वर्ष को संशोधित करने और औषधीय पौधों, पेन ड्राइव जैसी लगभग 480 नई वस्तुओं को जोड़ने का सुझाव दिया गया था। नई श्रृंखला में लिफ्ट, व्यायामशाला उपकरण और कुछ मोटरसाइकिल इंजन भी शामिल रहेंगे। इस रिपोर्ट के मसौदे को सार्वजनिक किया गया है। इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मिलने के बाद रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। डीपीआईआईटी के सचिव अनुराग जैन ने बताया` कि कार्यसमूह ने जून में अपनी रिपोर्ट सौंपी। अब अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श जारी है।

कृषि वस्तुओं के मामले में इसबगोल, एलोवेरा और मेन्थॉल जैसे औषधीय पौधों के साथ सौंफ और मेथी के बीज, मशरूम और तरबूज को आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर नई श्रृंखला में शामिल करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में सूचकांक में कुल 697 उत्पाद शामिल हैं। इनमें 117 प्राथमिक उत्पाद, 16 ईंधन और बिजली और 564 विनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। नई श्रृंखला में इन तीन श्रेणियों में कुल 1,176 वस्तुओं का प्रस्ताव किया गया है। इनमें 131 प्राथमिक उत्पाद, 19 ईंधन और बिजली उत्पाद और 1,026 विनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। रिपोर्ट के मसौदे के अनुसार डब्ल्यूपीआई की वर्तमान श्रृंखला में बिजली सूचकांक की गणना केवल पन और ताप बिजली स्टेशनों से मिले मूल्य कोटेशन को शामिल किया जाता है। अब इसमें ताप, वन के अलावा सौर बिजली को भी शामिल किए जाने का प्रस्ताव है।

प्लास्टिक निर्यातक संगठन ने सरकार से पॉलिमर आयात पर अनिवार्य मानक प्रमाणन लागू न करने का किया आग्रह

नई दिल्ली ।

देश के प्लास्टिक निर्यातकों के सबसे बड़े संगठन प्लेक्सकॉन्सिल ने सरकार से पॉलिमर के आयात पर अनिवार्य मानक प्रमाणन मानदंड लागू नहीं करने का आग्रह किया है। प्लेक्सकॉन्सिल ने कहा कि ऐसा करने से इस क्षेत्र के निर्यात पर गंभीर असर होगा। भारत का प्लास्टिक निर्यात अप्रैल-जून 2022 के दौरान 4.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.27 अरब डॉलर था। प्लास्टिक उद्योग के प्रमुख कच्चे माल में पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड), पॉलीप्रोपाइलीन, एबीएस (एक्रिलोनिट्राइल ब्यूटाडीन स्टाइरीन), एचडीपीई (उच्च घनत्व पॉलीथीन), एलडीपीई (कम घनत्व पॉलीथीन), एलएलडीपीई (रैखिक कम घनत्व पॉलीथीन) और पॉली कार्बोनेट जैसे पॉलिमर शामिल हैं। प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकॉन्सिल) के अनुसार रसायन विभाग पॉलिमर पर अनिवार्य रूप से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) मानदंड लागू करना चाहता है। परिषद के चेयरमैन अरविंद गोयनका ने कहा, 'यह कदम प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि पर्याप्त उत्पादन नहीं होने के कारण देश में पहले ही पॉलिमर की कमी है और आयात अनिवार्य है। ऐसे में घरेलू प्रसंस्करण उद्योग गैर-प्रतिस्पर्धी हो जाएगा।' उन्होंने कहा कि भारत अभी पॉलिमर के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है और इसका आयात जरूरी है। गोयनका ने कहा कि इसे लागू करने से भारतीय आयातकों के लिए पॉलिमर की कीमत बढ़ जाएगी, जिससे घरेलू प्लास्टिक उद्योग प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाएगा उन्होंने सुझाव दिया कि इसके बजाय सरकार को प्लास्टिक के तैयार सामान पर अनिवार्य बीआईएस मानदंड लागू करना चाहिए।

स्विस ओपन में नौवें स्थान पर पहुंची अमनदीप

होल्जहौसर्न । भारत की अमनदीप द्राल ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया जिससे वह वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त नौवें स्थान पर हैं। अमनदीप ने दूसरे दौर में एक ईगल भी जमाया। उनका कुल स्कोर छह अंडर है और वह शीर्ष पर चल रही इंग्लैंड की लिज यंग से तीन शॉट पीछे है। इस बीच वाणी कपूर और दीक्षा डागर भी शीर्ष 10 में जगह बनाने की कवायद में हैं। दूसरे दौर के बाद यह दोनों भारतीय खिलाड़ी संयुक्त 17वें स्थान पर थी। त्वेसा मलिक ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला और आसानी से कट में जगह बनाई। वह दूसरे दौर पर के बाद संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। रिधिमा दिलावरी (76-72) और नेहा त्रिपाठी (77-74) फिर से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उनका कट से चूकना तय है।

एशिया कप 2022 के बाद आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली ।

एशिया कप 2022 में निराशाजक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के पास टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए कुछ ही मैच बाकी बचे हैं। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पर जल्द से जल्द बेस्ट टीम गठित करने का दबाव है। कई स्टार खिलाड़ियों की चोट से परेशान टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2022 से पहले ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की मेजबानी करेगी, इस दौरान भारतीय स्क्वॉड लगभग तय हो जाएगा। इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले ऑस्ट्रेलियाई कंडीशन में ढलने के लिए टीम इंडिया को दो वॉर्म अप मैच भी खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम ने अभी तक न तो ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया है और न टी20 वर्ल्ड कप के लिए, मगर माना जा रहा है कि जिन खिलाड़ियों को भारत ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्क्वॉड में जगह देगा, वही खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे। भारत को टी20 वर्ल्ड कप से पहले 15 दिन के अंदर 6 टी20 मुकाबले खेलने है। ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के आगाज 20 सितंबर को मोहाली में खेले जाने वाले पहले मुकाबले से होगा। इसके बाद दोनों टीमों की भिड़ंत 23 और 25 सितंबर को क्रमशः नागपुर और हैदराबाद में होगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की टी20 सीरीज खेलने के तुरंत बाद भारत को साउथ अफ्रीका की भी मेजबानी करनी है। साउथ अफ्रीका के भारत दौरे का आगाज 28 सितंबर से होगा। सीरीज का पहला मैच तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। वहीं 2 और 4 अक्टूबर को खेले जाने वाले अन्य दो मुकाबले कमशः गुवहाटी और इंदौर में होंगे। साउथ अफ्रीका को भारत दौरे पर टी20 सीरीज के अलावा तीन मैच की वनडे सीरीज भी खेलनी है।

ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे का शेड्यूल

- 20 सितंबर - पहला टी20, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम, मोहाली
- 23 सितंबर - दूसरा टी20, विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, नागपुर
- 25 सितंबर - तीसरा टी20, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद

साउथ अफ्रीका के भारत दौरे का शेड्यूल

- 28 सितंबर - पहला टी20, ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम
- अक्टूबर - दूसरा टी20, बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम, गुवाहाटी
- 4 अक्टूबर - तीसरा टी20, होल्कर क्रिकेट स्टेडियम, इंदौर
- 6 अक्टूबर - पहला वनडे, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ
- 9 अक्टूबर - दूसरा वनडे, छ्स्ष्ट इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, रांची
- 11 अक्टूबर - तीसरा वनडे, अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप वॉर्म-अप मैच

- 17 अक्टूबर - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
- 19 अक्टूबर - भारत बनाम न्यूजीलैंड

इंग्लैंड दौरे में पहला ही टी20 मैच हारी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लंदन ।

भारतीय महिला क्रिकेट को मेजबान इंग्लैंड ने पहले ही टी20 मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 132 रन बनाएं। इंग्लैंड की ओर से लेग स्पिनर सारा ग्लेन ने 23 रन देकर चार विकेट लिए। इसके बाद जीत के इस लक्ष्य को मेजबान टीम ने सोफिया डंकले के नाबाद 61 रनों की सहायता से 13 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मैच में इंग्लैंड की कप्तान एमी जोंस ने भारतीय टीम को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने की। इन दोनो ने पहले विकेट के लिए 30 रन बनाये। मंधाना 23 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद शेफाली वर्मा भी 14 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। हरमनप्रीत ने 20 रन बनाये। भारतीय टीम इंडिया की ओर से सबसे ज्यादा 29 रन रन दीप्ति शर्मा ने बनाये। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने सोफिया और डेनियल वॉट की शानदार बल्लेबाजी से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। डेनियल ने 24 रनों की पारी खेली। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए डंकले और एलिस कैप्से की जोड़ी ने 40 गेदों में 74 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। सोफिया ने 61 जबकि एलिस ने 32 रन बनाये।

स्वियातेक ने अमेरिकी ओपन के साथ ही तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता

न्यूयार्क । पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल का खिताब जीता है। स्वियातेक ने फाइनल मुकाबले में ट्यूनीशिया की ओन्स जाबूर को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 से हराया। स्वियातेक ने अपने करियर में तीसरी बार कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है। स्वियातेक ने इससे पहले दो बार फ्रेंच ओपन का खिताब भी जीता था। स्वियातेक पोलैंड की ओर ग्रैंड स्लैम जीतने वालीं पहली महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता टॉमस ओलंपिक रोवर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जाबूर अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी खिलाड़ी हैं। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन के जो सैलिसबरी और अमेरिका के राजीव राम की जोड़ी ने सीधे सेटों में जीत हासिल कर लगातार दूसरी बार पुरुष युगल का खिताब जीता। सैलिसबरी और राम की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूप्स्की की जोड़ी को 7-6, 7-5 से हराया।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में इंडिया लीजेंड्स की जीत से शुरुआत

कानपुर।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की टीम इंडिया लीजेंड्स ने पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स को 61 रनों से हराकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। यह सीरीज सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए आयोजित की गयी है। इस मैच में स्टूअर्ट बिन्नी और राहुल शर्मा सहित सभी गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंडिया लीजेंड्स ने जीत हासिल की। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में इंडिया लीजेंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 217 रन रन बनाये और इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स को जीत के लिए 218 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स की टीम 9 विकेट पर 156 रनों पर ही आउट हो गयी। दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स की ओर से जोंटी रोड्स ने सबसे अधिक नाबाद 38 रन बनाए। विकेटकीपर ओपनर मोर्ने वान विक ने 26 और एंड्रयू पटिक ने 23 रन बनाये जबकि अन्य बल्लेबाज असफल रहे। वहीं इंडिया लीजेंड्स की ओर से स्पिनर राहुल शर्मा ने तीन जबकि प्रज्ञान ओझा और मुनाफ पटेल ने दो-दो विकेट लिए। इरफान पठान और युवराज सिंह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले इंडिया लीजेंड्स ने बिन्नी की नाबाद अर्धशतकीय पारी 82 रनों की सहायता से 20 ओवर में 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। वहीं सुरेश रैना ने 22 गेंदों पर 33 रन बनाये जबकि ओपनर नमन ओझा ने 18 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स की ओर से जोहान वांडर वाथ ने दो विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

ब्रॉड सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बने

केनिंग्टन ओवल । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में चार विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब ब्रॉड टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। तीसरे टेस्ट में मेजबान इंग्लैंड ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीकी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 36.2 ओवर में 118 रनों पर आउट हो गयी। मेजबान इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन ने सबसे अधिक पांच विकेट जबकि ब्रॉड ने चार विकेट लिए।ब्रॉड ने दक्षिण अफ्रीका के नॉर्किया को आउट कर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा के टेस्ट क्रिकेट में 563 विकेट के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। मैक्ग्रा ने यह अपउब्धि 124 टेस्ट मैचों में हासिल की थी वहीं ब्रॉड को यहां तक पहुंचने के लिए 159 टेस्ट खेलने पड़े। ब्रॉड अब इंग्लैंड की ओर से टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन आते हैं।

बूमराह और हर्षल की टी20 विश्वकप के लिए वापसी होगी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के लिए राहत की बात है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा खिलाड़ी हर्षल पटेल अपनी-अपनी चोट से उबर गये हैं। ये दोनो ही टीम इंडिया में वापसी के लिए तैयार हैं हालांकि इन दोनो को पहले एक फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। बुमराह और हर्षल ने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में गेंदबाजी अभ्यास भी शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब दोनो ही पूरी तरह फिट हैं। बुमराह की पीठ में दर्द। वहीं हर्षल पसली में चोट के कारण टीम से बाहर थे। भारतीय टीम एशिया कप में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और आवेश खान के साथ उतरी थी। इसमें आवेश का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके अलावा वह फिट भी नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि आवेश को विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिलेगी। वहीं स्पिनर के तौर पर रवि बिश्नोई का प्रदर्शन एशिया कप में अच्छा रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में जगह मिल सकती है हालांकि अंतिम फैसला टीम मैनेजमेंट से बातचीत के बाद ही होगा। 15 सितंबर को टी20 विश्व कप टीम के लिए चयन समिति की बैठक होगी। जडेजा के घुटने की सर्जरी के कारण पहले ही विश्व कप से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह अक्षर पटेल का स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर खेलना तय माना जा रहा है।

पियर्स-सैंडर्स ने अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल का खिताब जीता

न्यूयार्क ।

ऑस्ट्रेलिया के जॉन पियर्स और स्टॉर्म सैंडर्स की जोड़ी ने अमेरिकी ओपन टेनिस के मिश्रित युगल का खिताब जीता है। इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने बेल्जियम के कर्स्टन फ्लिपकेन्स और फ्रांस के एडौर्ड रोजर-वेसलिन को 4-6, 6-4 10-7 से हराया। साल 2001 के बाद यह ऑस्ट्रेलिया की पहली जोड़ी है जिसने अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में जीत हासिल की है। यह एक टीम के रूप में पियर्स-सैंडर्स की जोड़ी का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। पियर्स ने इससे पहले साल 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल का खिताब जीता था। वहीं महिला वर्ग की बात करें तो पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अमेरिकी ओपन का खिताब जीता है। महिला एकल के फाइनल में स्वियातेक ने विंबलडन की उप विजेता ओन्स जाबूर को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 से हराया। स्वियातेक का यह तीसरा करियर ग्रैंड स्लैम खिताब है। स्वियातेक ने अमेरिकी ओपन से पहले दो बार फ्रेंच ओपन का खिताब भी जीता था। स्वियातेक अपने करियर में अब तक चार बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची है। इसमें वह तीन बार विजेता रही हैं। वहीं ब्रिटेन के ही जो सैलिसबरी और अमेरिका के राजीव राम की जोड़ी ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के साथ ही दूसरी बार पुरुष युगल खिताब जीता है। इस जोड़ी ने वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूप्स्की की जोड़ी को 7-6, 7-5 से हराया।

हरमनप्रीत ने पहले टी20 में हार के लिए नमी और गीले मैदान को कारण बताया

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मिली हार क लिए नमी और गीले मैदान को बड़ा कारण बताया है। हरमनप्रीत के अनुसार इस प्रकार के मैदान में खेलने पर फिसलने के कारण चोटिल होने का खतरा था। इसी कारण टीम इंडिया को नौ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, '' हम उतने रन नहीं बना पाए जितनी कि हमें उम्मीद थी। मुझे लगता है हालात खेलने के अनुकूल नहीं थे और हमें भी ऐसे हालातों में खेलने के लिए मजबूर किया गया।'' हरमनप्रीत ने हालांकि बेहतर प्रदर्शन के लिए साथी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि चोटिल होने की आशंका के बाद भी हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। हरमनप्रीत ने कहा,'' जिस तरह से खिलाड़ियों ने अपनी तरफ से प्रयास किए उससे मैं बेहद उत्साहित हूं क्योंकि चोटिल होने का खतरा था पर तब भी सभी खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार थीं।'' उन्होंने कहा, ''आप अपनी टीम में ऐसे ही खिलाड़ियों को चाहते हैं जो किसी भी तरह के हालातों में रन बनाने के लिए तैयार हों और मुझे खुशी है कि हमने अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किये।'' इंग्लैंड की पारी के दूसरे ही ओवर में स्पिनर राधा यादव के चोटिल होने के कारण टीम को एक गेंदबाज की कमी महसूस हुई थी। इसके बाद भी भारतीय टीम मुकाबले में जमी रही।

विराट को इसलिए नहीं दी गांगुली ने सलाह

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि उन्होंने विराट कोहली को अपने खेल को लेकर कोई सलाह नहीं दी थी। गांगुली ने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्होंने आज तक विराट के स्तर का बल्लेबाज नहीं देखा है। साथ ही कहा कि टीम अधिकतर यात्राओं पर रहती है , इसलिए भी मुझे उनसे बात करने का समय नहीं मिला। गांगुली ने साथ ही कहा कि आजकल क्रिकेट कैलेंडर काफी व्यस्त हो गया है और कोरोना वायरस महामारी के कारण पृथवास जैसी चीजों से पिछले दो सत्र काफी कठिन रहे। उन्होंने कहा कि पिछले दो सत्र में कोविड-19 की वजह से क्वारंटाइन और सभी बकवास के कारणों ने क्रिकेट और भी कठिन बना दिया था। गांगुली से जब पूछा गया कि कोहली जब संघर्ष कर रहे थे तब क्या उन्होंने कोई सलाह दी थी। इसपर गांगुली ने कहा, ' टीम बहुत यात्रा करती है, इसलिए मुझे उनसे मिलने का समय नहीं मिलता।' उन्होंने कहा, 'मैं उनसे उतना नहीं मिल पाता। मैं बोर्ड अध्यक्ष हूं, लेकिन वे लोग हमेशा ही यात्रा करते रहते हैं। वह हर समय सड़क पर रहते हैं। इसलिए आपके पास उन्हें ज्यादा देखने का अवसर नहीं रहता है।'

टी20 वर्ल्ड कप में रोहित बन सकते हैं नए 'सिक्सर किंग', विराट भी ज्यादा पीछे नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा सन 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार हिस्सा लिया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने फाइनल ओवर में पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया था। साल 2022 में स्थितियां काफी कुछ बदल चुकी हैं, रोहित अब एक बेहद सफल कप्तान के रूप में टीम का हिस्सा हैं और बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं, माना जा रहा है कि इस बार भी रोहित अपने बल्ले से धमाल मचा सकते हैं। इस वैश्विक मुकाबले में रोहित को पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को पीछे छोड़ने का मौका मिलने वाला है। रोहित टी20 वर्ल्ड कप में तीन छक्के जड़ते ही युवी से आगे निकल जाएंगे। युवराज टी20 वर्ल्ड कप में 33 छक्के जड़ चुके हैं। यह किसी भारतीय द्वारा छक्के मारने का सर्वाधिक रिकार्ड है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी युवराज सिंह से ज्यादा पीछे नहीं हैं। विराट कोहली टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक कुल 20 छक्के जड़ चुके हैं। विराट ने हाल में एशिया कप सुपर फोर में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद सेंचुरी जड़कर फॉर्म में वापसी के संकेत दे दिए हैं। विराट ऑस्ट्रेलिया में युवराज के इस रिकॉर्ड को या तो तोड़ सकते हैं या उनके बेहद नजदीक पहुंच सकते हैं। श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में टॉप पर हैं। जयवर्धने के नाम 31 मैचों में 1016 रन दर्ज हैं। दाएं हाथ के दिग्गज बल्लेबाज माहेला जयवर्धने ने साल 2007 से 2014 तक के टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया। उनके नाम एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं। इस दौरान जयवर्धने का स्ट्राइक रेट 134 से ज्यादा का रहा। माहेला जयवर्धन ने 2014 टी20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था। हालांकि उनका यह रिकॉर्ड अभी भी अटूट है। आगामी वर्ल्ड कप में जयवर्धने के इस रिकॉर्ड को कई बल्लेबाज तोड़ सकते हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं, जबकि तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। गेल के नाम 965 रन दर्ज है, जबकि रोहित शर्मा 847 रन जुटा चुके हैं।

विराट कोहली के नाम 845 रन दर्ज है वहीं डेविड वॉर्नर 762 रन बना चुके हैं। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा टी20 वर्ल्डकप में बतौर पेसर 38 विकेट ले चुके हैं। यह क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में किसी पेसर का सर्वाधिक विकेट है। मलिंगा ने 31 मैचों में 7.43 की इकोनॉमी से ये विकेट लिए हैं। उन्होंने साल 2007 से 2014 तक श्रीलंका के लिए टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के पास लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। स्टार्क को मलिंगा को पीछे छोड़ने के लिए 15 विकेट की जरूर है। उन्होंने अभी तक कुल 24 विकेट निकाले हैं।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने भारतीय फुटबॉल के बेहतर भविष्य के लिए कल्याण चौबे को बधाई दी

दोहा । फीफा (वैश्विक फुटबॉल संचालन संस्था) प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कल्याण चौबे के साथ भारत में बुनियादी ढांचे, जमीनी स्तर के साथ पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल विकास पर चर्चा की है। इन्फेंटिनो ने चौबे को एआईएफएफ के अध्यक्ष के रूप में हाल ही में चुने जाने पर व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए बैठक की। फीफा ने कहा कि दोनों ने भारत में पुरुषों, महिलाओं, युवाओं और जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास से संबंधित मुद्दों को लेकर विस्तृत चर्चा की। एआईएफएफ के दो सितंबर को हुए चुनावों में अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद पूर्व पेशेवर खिलाड़ी चौबे ने बुनियादी ढांचे, जमीनी स्तर और महिला फुटबॉल पर अधिक ध्यान देने के साथ भारत में फुटबॉल के विकास के लिए कई सुधार योजनाओं की घोषणा की थी। मुलाकात के बाद चौबे ने इन्फेंटिनो को धन्यवाद देकर दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में फीफा की भूमिका की प्रशंसा की। चौबे ने कहा, (फीफा का समर्थन) बहुत जरूरी है, क्योंकि वे भारत में खेल को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा, हमने फीफा अध्यक्ष के साथ बात कर और मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि उन्होंने हमारा समर्थन किया। मैं खुश हूं और फीफा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के साथ मिलकर भारतीय फुटबॉल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहा है।'' चौबे ने कहा, इन्फेंटिनो ने वास्तव में हमारा समर्थन किया और उत्साह बढ़ाया। एआईएफएफ फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए अपनी तैयारियों के अंतिम चरण में है।

36 में नेशनल गेम्स के तहत वेसू कैनल पाथवे पर यू-टर्न इवेंट आयोजित हुआ

सूरत भूमि, सूरत। 27 सितंबर से 10 अक्टूबर के दरमियां गुजरात में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स के तहत सूरत वॉलीबॉल, बीच हैंडबॉल, टेबल टेनिस और बैडमिंटन जैसे खेल खेले जाएंगे। जिसके भाग स्वरूप अलग-अलग राज्यों से एथलीट्स सूरत में आएंगे, ऐसे में सूरत के विद्यालय और कॉलेज के युवा खिलाड़ि उत्साह से भरे नेशनल गेम्स में इसके लिए सूरत महानगर पालिका और यूटर्न टीम द्वारा खेल गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में अनुव्रत द्वारा वेसू से कैनाल पाथ वे पर DBIM तक इवेंट आयोजित हुआ। इसी स्थान पर आने वाले 18 से 20 सितंबर तक तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवाल का आयोजन होगा। इस प्रसंग पर स्केटिंग, साइकिलिंग, बेसिक लाइफ सपोर्ट, वर्कशॉप, स्ट्रीट आर्ट्स, लाइव स्केचिंग, साथ ही नेशनल गेम्स की अलग-अलग खेलों की रंगोली, सात टिकरी लंगडी, लाइव म्यूजिक बैंड डार्ट गेम्स, हॉकी एरोबिक्स जुम्बा जैसी अलग गेम में सूरत के यंगस्टर्स ने उत्साह से भाग लिया।

आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों की मदद के लिए माई मॉम सुपरस्टार क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा

सूरत भूमि, सूरत

खेल के साथ खेलदिली होना अच्छी बात है। इंटरस्कूल डे एंड नाइट बॉक्स क्रिकेट का आयोजन पिछले कुछ समय से सूरत के प्रमुख संगठन माई मॉम सुपरस्टार द्वारा किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की मदद करना है।

शीतल मेहुल पिठावाला और मेहुल पिठावाला द्वारा बिग बेश स्पोर्ट्स अकादमी, सूरत सिटी में आयोजित इंटरस्कूल डे एंड नाइट बॉक्स क्रिकेट माई मॉम सुपरस्टार के तहत इंटरस्कूल डे और नाइट बॉक्स क्रिकेट लीग 16 से 18 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत पिंकओवर नामक प्रत्येक पारी में एक ओवर फेंका जाएगा, जिसके माध्यम से एकत्रित धन को आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों के लाभ के लिए दान किया जाएगा।

सूरत में 200 से अधिक महिलाएं अपने बच्चों के स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक साथ आएंगी। इससे पहले भी माई डैड सुपर डैड कार्यक्रम का आयोजन संस्था द्वारा लाइफ डोनेटेड नाम की संस्था के साथ किया गया था।भाग लेने वाले सभी खिलाडियों को दान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संगठन द्वारा बच्चों और बुजुर्गों की आर्थिक मदद करने के नेक उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था और भविष्य में भी माई मॉम सुपरस्टार लीग का आयोजन इस उद्देश्य से किया जाएगा कि प्रत्येक गतिविधि के माध्यम से एकत्रित दान की राशि जरूरतमंदों की मदद कर सके समाज।

शीतल मेहुल पिठावाला और मेहुल पिठावाला को सम्मानित किया गया और उनके नेक कामों के लिए बधाई दी गई, इस सुपर लीग को भारी प्रतिक्रिया मिल रही है।

सूरत शहर की बिग बेश स्पोर्ट्स अकादमी वेसु में स्थित रीबाउंस शीतल मेहुल पिठावाला और मेहुल पिठावाला द्वारा प्रबंधित इंटरस्कूल डे एंड नाइट बॉक्स क्रिकेट का आयोजन करेगी।इस लीग की ट्रॉफी का अनावरण केंद्रीय कपड़ा और रेल राज्य मंत्री श्रीमती दशरनाबेन जरदोश ने किया। साथ ही टी-शर्ट भी लॉन्च किया गया।

सूरत में केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 4 मजदूरों की मौत 20 लोग घायल

सूरत।

गुजरात के सूरत शहर में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 4 मजदूर की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य झुलस गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। फैक्ट्री के अंदर कूलिंग का काम अब भी जारी है। सूरत पुलिस के एसीपी आर.एल. मवानी ने बताया कि सचिन गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) क्षेत्र में स्थित अनुपम केमिकल फैक्ट्री में शनिवार रात करीब 10 बजे भीषण आग में चार मजदूरों की मौत हो गई और लगभग 20 घायल हो गए। इससे पहले सूरत के प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारिख ने रविवार को कहा कि शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे सचिन गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) क्षेत्र में स्थित अनुपम केमिकल इंडिया लिमिटेड की फैक्ट्री में खतरनाक केमिकलों से भरे कंटेनर में भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई थी। उन्होंने कहा कि आग जल्द ही फैक्ट्री में फैल गई, जिसमें झुलसकर एक मजदूर की मौत हो गई। सचिन जीआईडीसी के पुलिस निरीक्षक डी.वी. बलदानिया ने कहा कि देर रात शव बरामद किया गया। आग की चपेट में आने से 20 मजदूर झुलस गए और उनका शहर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीन अन्य मजदूर लापता हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम लापता मजदूरों का पता लगाने के लिए फैक्ट्री परिसर की तलाशी ले रहे हैं। पारिख ने कहा कि दमकल की 15 गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे लगे। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पाने के बाद फैक्ट्री के अंदर एक मजदूर का झुलसा हुआ शव मिला।

SCRAM किड्सवियर को हार्बर 9 किड्स के रूप में पुनः ब्रांडेड किया गया

सूरत।

भारतीय प्रीमियम किड्सवियर ब्रांड SCRAM हार्बर 9 में शामिल हो गया है। अब पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए सचेत रूप से तैयार किए गए कपड़ों के साथ एक संपूर्ण पारिवारिक परिधान ब्रांड, हार्बर 9 की सफलता ने एक फैशनेबल पारिवारिक क्रांति के लिए इस नींव को रखने के लिए प्रेरित किया।

हार्बर 9 किड्स के पास टीज़, टॉप, जॉगर्स, लेगिंग्स, स्वेटशर्ट्स, ड्रेसेस, शॉर्ट्स और जंपसूट्स सहित बच्चों के कपड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला है - और बच्चों के कपड़ों को प्रदान करने के लिए एक अपरिवर्तित प्रतिबद्धता है जो समान भागों में आरामदायक और स्टाइलिश है! "हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि SCRAM अब हार्बर 9 किड्स है। आधुनिक परिवार फैशन के प्रति जागरूक है और हम उन्हें नवीनतम स्टाइल उपलब्ध कराना चाहते हैं। बदलाव के साथ भी, 1-2 साल की उम्र के बच्चों से लेकर किशोरावस्था से पहले तक के स्टाइलिश और आरामदायक कपड़े उपलब्ध कराने का हमारा वादा वही है। हमारे सभी प्रस्तावों की आसान और त्वरित पहचान के लिए रीब्रांडिंग की गई है, और एक एकीकृत ब्रांड को एक ऐसे साम्राज्य के रूप में प्रदर्शित करता है जो केवल बढ़ने वाला है, "मनोज जैन, निदेशक, हार्बर 9, ने कहा।

हार्बर 9 वेबसाइट पर किड्स सेक्शन में नए सिरे से बदलाव के साथ, आपके नन्हे-नन्हे बच्चों के लिए खरीदारी हमेशा की तरह आसान है। रीब्रांडिंग में बेहतर बी2सी संचार और SCRAM के लिए सोसिअल मीडिया का एक ओवरहाल भी शामिल है, जो हारबाउट 9 ब्रांड लोकाचार के जीवंत रूप और अनुभव के साथ है। ग्राहकों को बदलाव के बारे में सूचित करने के लिए हार्बर 9 प्रत्येक ऑर्डर के साथ कार्ड भी भेज रहा है।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय जौनपुर उ.प्र.
मु.नं. 367 सन् 2022 धारा 125
सीआरपी.सी. थाना सुरेरी जौनपुर
ममता प्रजापति

बनाम प्रितेश कुमार प्रजापति बनाम (1) प्रितेश कुमार प्रजापति उ.त. 30साल पुत्र मंगल प्रसाद प्रजापति पेशा बिजनेस सा. मौ. गोपालपुर बाजार (मुस्काबाद) थाना सुजानगंज जिला जौनपुर ।हाल पता यू ए वी - 3 बिजनेस ट्रेड आर ई एच -2 निसाल फलियू गोदाम, सुरली, थाना- माथी तालुका बारदोली, जिला सूरत (गुजरात) - 394340 (विपक्षी)

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधि वक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षी सुना और अवधारित किया जायेगा ।

तारीख पेशी 15-09-2022
आपत्ति / निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी

(न्यायालय)

सूरत रेलवे स्टेशन पर वाहन पार्किंग के लिए जगह कम होने के कारण लोगों को भारी परेशानी

सूरत।

सूरत शहर इंटक द्वारा सूरत रेलवे स्टेशन निदेशक को ज्ञापन सौंपकर सूरत रेलवे स्टेशन पर वाहन पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग की गई हैं। ज्ञापन में बताया गया कि पिछले कई महीनों से सूरत रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर अर्थात प्लेटफॉर्म नं 4 की ओर मेट्रो ट्रेन का कार्य प्रगति पर होने के कारण पूर्वी ओर की पार्किंग सम्पूर्ण रूप से बंद हैं जिसके कारण स्टेशन का सम्पूर्ण यातायात सूरत रेलवे के मुख्य द्वार अर्थात पश्चिमी द्वार पर एकत्रित हो रहा हैं जिसके चलते वाहनों की संख्या के अनुपात में वर्तमान पार्किंग व्यवस्था अपर्याप्त साबित हो रही हैं। सूरत रेलवे स्टेशन पर रोजाना हज़ारो की संख्या में टूव्हीलर तथा फोरव्हीलर वाहनों का आवागमन होता हैं पिछले कुछ महीनों से पार्किंग की जगह कम होने के कारण स्टेशन पर आने वाले यात्रियों व उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं पार्किंग की जगह न मिलने के कारण न जाने कितने लोगों की ट्रेन छूट जा रही हैं जो बहुत ही कष्टजनक मामला हैं। शहर इंटक के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा, इंटक अग्रणी शान खान व उपाध्यक्ष करुणाशंकर तिवारी ने बताया कि सूरत रेलवे स्टेशन पर पश्चिमी द्वार पर उचित पार्किंग की व्यवस्था मुहैया करने की हमने मांग की हैं आशा करते हैं कि रेल प्रशासन द्वारा इस संबंध में यात्रियों को हो रही असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल निर्णय लिया जाएगा।

इंटक की मांगे निम्नानुसार हैं।

(1) लो लेवल पार्किंग के पास बने इलेक्ट्रिक ऑफिस को हटाकर उस जगह को पार्किंग के लिए दे दिया जाए।

(2) पूर्व में जो प्रीमियम पार्किंग और VIP पार्किंग चल रहे थे उन्हें पुन: शुरू किया जाए।

(3) हाई लेवल पर बने पार्सल गोदाम व पानी गोदाम को स्थान्तरित कर वह जगह पार्किंग के लिए दी जाए।

INDIAN NATIONAL TRADE UNION CONGRESS
(Gujarat Branch) (INTUC)
Umashankar Mishra
Surat City President
Mob No. 9327073029
Lakhabhai G. Patel
Surat City General Secretary
Mob No. 9328074541

सूरत की जलधी जोशी को आकाश बायजूस से ज़ी एडवांस 2022 में AIR 32 मिला

सूरत। आकाश बायजूस, सूरत की छात्रा जलधी जोशी ने ज़ी एडवांस्ड 2022 में 360 में से 261 अंक हासिल किए। 32वीं अखिल भारतीय रैंक हासिल करने के बाद, उन्हें IIT बॉम्बे के पोर्टल में आने की उम्मीद है। हालांकि उनके माता-पिता दोनों सर्जन थे, उन्होंने अपने बड़े भाई के नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया, जिन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एम टेक पूरा किया और वर्तमान में पीएच.डी. कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, यूएसए से। वह आकाश बायजूस के छात्र भी थे। "मेरे लिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना बहुत आसान हो गया क्योंकि मेरे भाई ने पहले ही रास्ता दिखा दिया था। मेरी पढ़ाई में उनका बहुत सहयोग था। जब भी मैंने अपने टेस्ट में कम स्कोर किया, वह मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद थे। उसने पूरे रास्ते मेरा ख्याल रखा है, क्योंकि मेरे माता-पिता दोनों अपनी-अपनी मांग वाली नौकरियों में व्यस्त थे। मुझे उन्हें देना है।"

जलधी के माता-पिता ने उन्हें और उनके भाई को इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उन्हें लगा कि दवा उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपनी ओर से, जलधी को गणित और यांत्रिकी से प्यार था। जब वह आठवीं कक्षा में थी तब वह आकाश नेशनल टैलेंट हंट परीक्षा (एएनटीएचई) के लिए उपस्थित हुई थी - जब वह नौवीं और दसवीं कक्षा में थी तब उसने एएनटीएचई दी थी - और हर बार उसे 100ल छात्रवृत्ति मिली। "मुझे ह्ज़ ॥श्व के लिए उपस्थत होना बहुत पसंद था, क्योंकि मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही प्रतियोगी परीक्षा है।

इससे मुझे अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में मदद मिली। एएनटीएचई में अच्छा प्रदर्शन करने से मुझे उपलब्धि का अहसास हुआ,ज्ज वह याद करती हैं। जब जलाधी दसवीं कक्षा में थी, तब उसने आकाश बायजूस में 3 साल के ज़ी कोचिंग कार्यक्रम में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने अखिल भारतीय आकाश टेस्ट श्रृंखला (एआईएटीएस) सहित विभिन्न टेस्ट श्रृंखलाओं में गहरी दिलचस्पी दिखाई। ग्यारहवीं कक्षा से उसने बायजूस में परीक्षा देना शुरू कर दिया। उसने पहले दो परीक्षणों में अच्छा स्कोर किया लेकिन तीसरे टेस्ट में उसके परिणाम कम हो गए - उसने 300 में से 200 से कम स्कोर किया। हालांकि, अपने सुखद आश्चर्य और खुशी के लिए, जलाधि को पांचवीं बार एआईएटीएस देते हुए,ढ्ढक्र 1 मिला। "मुझे लगता है कि हमें महसूस करना चाहिए कि हमारी गलतियों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय है। निराश महसूस करना ठीक है लेकिन लचीला होना और कोशिश करते रहना महत्वपूर्ण है," वह आत्मविश्वास से भरी हुई है।

ज़ी एडवांस में जलधि जोशी के शीर्ष स्कोर पर अपनी टिप्पणी में, आकाश बायजूस के प्रबंध निदेशक, श्री आकाश चौधरी ने कहा, "हम जलधी के लिए बहुत खुश हैं। वह एक 'इंजीनियर' उत्पाद है, क्योंकि उसने गणित और भौतिकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हालाँकि उसके माता-पिता सर्जन थे, लेकिन उन्होंने उसे अपने दिल की बात मानने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हें अपने भाई का भी समर्थन प्राप्त था। जलधि ने हमारी टेस्ट सीरीज का भरपूर इस्तेमाल किया। उसने उन सभी की कोशिश की - जब वह एक परीक्षण चूकने से नहीं बच सकी, तो उसने सुनिश्चित किया और बाद में दिया। हमारे कई छात्रों की तरह, जलधी ने भी परीक्षा की तैयारी में अंतराल को समझने और अंकों में सुधार करने में इसे बेहद मददगार पाया। हम जलधी को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)